RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 59 ● भिलाई, मंगलवार 02 सितम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

विमान टेक-ऑफ के तुरंत बाद इंजन से मिला फायर अलर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली से इंदौर जा रही एअर इंडिया की एक फ्लाइट को टेक-ऑफ के तुरंत बाद आपात स्थिति में वापस दिल्ली लौटना पड़ा। एयरलाइन के मुताबिक, आज उड़ान संख्या I2913 के दाहिने इंजन में फायर इंडिकेशन मिला, जिसके बाद यह कदम उठाया गया। एअर इंडिया ने बताया कि कॉकपिट क्रू को टेक-ऑफ के तुरंत बाद इंजन से फायर अलर्ट मिला। स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर का पालन करते हुए पायलट ने दाहिने इंजन को तुरंत शट डाउन किया और विमान को सुरक्षित तरीके से दिल्ली एयरपोर्ट पर उतार लिया। एयरलाइन के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि विमान में सवार सभी यात्री और क्रू सदस्य सुरक्षित हैं और किसी को भी चोट नहीं आई। विमान को फिलहाल ग्राउंड कर दिया गया है और उसकी तकनीकी जांच जारी है। एअर इंडिया ने कहा कि यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई है, जो जल्द ही इंदौर के लिए रवाना होगा।एयरलाइन ने स्पष्ट किया कि पूरे ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया गया और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई।

चुनाव आयोग की बड़ी कार्रवाई, 3 लाख संदिग्ध नाम कटेंगे

पटना । बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची को लेकर सियासी भूचाल आ गया है। चुनाव आयोग द्वारा शुरू किए गए विशेष गहन संशोधन प्रक्रिया के तहत लगभग 3 लाख लोगों को नोटिस भेजे जाने से पूरे देश में हड़कंप मचा हुआ है। आयोग को इन लोगों के दस्तावेजों में विसंगतियां मिली हैं, जिनमें से कई पर बांग्लादेश और नेपाल से आकर भारतीय वोटर कार्ड बनवाने का संदेह है। इस कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और नेता तेजस्वी यादव वोटर अधिकार यात्रा निकाल रहे हैं, जिसमें अब समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी शामिल हो गए हैं। चुनाव आयोग ने बिहार की मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए स्ढ्क्र अभियान चलाया है। इसके तहत उन 3 लाख मतदाताओं को नोटिस जारी किया गया है, जिनके दस्तावेजों पर संदेह है।

अहम बैठक में पुतिन से बोले पीएम मोदी

भारत-रूस संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता के स्तंभ:मोदी

तियानजिन/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा कि भारत और रूस हमेशा कठिन परिस्थितियों में भी कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं. मोदी की पुतिन की मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब भारत एवं अमेरिका के संबंध पिछले दो दशक के संभवत? सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं. मोदी और पुतिन ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन के इतर बैठक की, जिसमें आर्थिक, वित्तीय और ऊर्जा क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया. आधिकारिक वार्ता से पहले, दोनों नेताओं ने एससीओ शिखर सम्मेलन में अपने कार्यक्रम समाप्त करने के बाद एक ही कार में बैठक स्थल तक एक साथ यात्रा करते हुए 40 मिनट से अधिक समय तक अनौपचारिक बातचीत की. मोदी ने कहा कि भारत यूक्रेन में शांति स्थापित करने के लिए हाल ही में किए गए सभी प्रयासों का स्वागत करता है. उन्होंने कहा कि यूक्रेन संघर्ष को यथाशीघ्र समाप्त करना मानवता का आह्वान है. प्रधानमंत्री मोदी ने टेलीविजन पर प्रसारित अपने वक्तव्य की शुरुआत में कहा, हम यूक्रेन में चल रहे संघर्ष पर नियमित रूप से चर्चा करते रहे हैं. हम शांति स्थापित करने की दिशा में हाल में किए गए सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं. उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि सभी पक्ष रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ेंगे. इस संघर्ष को समाप्त करने और स्थायी शांति स्थापित करने का रास्ता अवश्य निकाला

जाना चाहिए. यह संपूर्ण मानवता की आकांक्षा है. समझा जाता है कि भारतीय पक्ष ने पुतिन को शनिवार को मोदी और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज.लेंस्की के बीच हुई बातचीत के बारे में जानकारी दी. मोदी से बात करने के बाद, ज.लेंस्की ने कहा कि भारत यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए आवश्यक प्रयास करने और रूस को उपयुक्त संकेत देने के लिए तैयार है. पुतिन ने कहा कि रूस और भारत ने दशकों से विशेष मैत्रीपूर्ण और विश्वास-आधारित संबंध बनाए रखे हैं, और यह संबंधों के भविष्य के विकास की नींव है. उन्होंने कहा, ये संबंध पूरी तरह से दलगत राजनीति से ऊपर हैं और इन्हें हमारे अधिकांश लोगों का समर्थन प्राप्त है. भारत के बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन में संघर्ष को हल करने के लिए हाल में की गई पहल के प्रति अपना समर्थन दोहराया, तथा संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने तथा स्थायी शांति की आवश्यकता पर बल दिया. मोदी-पुतिन वार्ता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्ध समाप्त करने के प्रयासों के तहत रूस के राष्ट्रपति के साथ शिखर बैठक आयोजित करने के दो सप्ताह बाद हुई है. भारत पर अमेरिकी टैरिफके प्रभाव के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन ऐसा माना जाता है कि दोनों नेताओं ने वाहन में अनौपचारिक बातचीत के दौरान इस पर चर्चा की.

आतंक के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे खड़ा है भारत

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने आतंकवाद के खिलाफलड़ाई में एकता पर ज़ोर दिया है। भारत ने संयुक्त सूचना अभियान का नेतृत्व करके अल-कायदा और उससे जुड़े आतंकवादी संगठनों से लड़ने की पहल की। हमने आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफआवाज उठाई। इसमें आपके सहयोग के लिए मैं आभार व्यक्त करता हूं। चीन के तियानजिन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मुझे हमेशा लगता है कि आपसे मिलना एक यादगार अनुभव रहा है। हमें कई विषयों पर जानकारी का आदान-प्रदान करने का अवसर मिला। हम लगातार संपर्क में रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच नियमित रूप से कई उच्च-स्तरीय बैठकें हुई हैं।

जम्मू में बाढ़ से मची तबाही

शाह ने ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर हालात का किया आकलन.......

जम्मू/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को जम्मू के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। अधिकारियों ने बताया कि वह जिले के सबसे अधिक प्रभावित गांव मंगुचक्क भी जाएंगे। शाह के साथ उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद थे। उन्होंने बिक्रम चौक के पास तवी पुल पर रुककर नदी किनारे हुए नुकसान का जायजा लिया। शाह रविवार रात जम्मू पहुंचे थे ताकि बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों की समीक्षा कर सकें। वे आज बाद में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई

सर्वेक्षण भी कर सकते हैं। इसके अलावा, शाह राजभवन में दो अलग-अलग बैठकों की अध्यक्षता करेंगे- एक बैठक बाढ़ राहत कार्यों पर और दूसरी बैठक बाढ़ से सीमा सुरक्षा में आई बाधाओं को लेकर होगी। 14 अगस्त से अब तक किश्तवाड़, कठुआ, रियासी और रामबन जिलों में बादल फटने, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ के कारण 130 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 33 लोग लापता हैं। 26 और 27 अगस्त को हुई रिकॉर्ड बारिश से जम्मू और अन्य मैदानी इलाकों में भारी बाढ़ आई, जिससे बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचा। मृतकों में 34 श्रद्धालु भी शामिल हैं, जो 26 अगस्त को माता वैष्णो देवी यात्रा के दौरान भूस्खलन की चपेट में आ गए थे। यह पिछले तीन महीनों में जम्मू का शाह का दूसरा दौरा है। इससे पहले वे 29 मई को यहां आए थे, जब भारतीय सेना ने 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले (जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी।

गिलगित-बाल्तिस्तान में हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने से पाक सेना के पांच कर्मियों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्तिस्तान क्षेत्र में एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से दो अधिकारियों सहित पांच पाकिस्तानी सैन्यर्किमयों की मौत हो गई. सेना ने एक बयान में कहा कि नियमित प्रशिक्षण पर निकले एक एमआई-17 हेलीकॉप्टर ने तकनीकी खराबी आने के बाद क्रैश-लैंडिंग का प्रयास किया. बयान में कहा गया कि यह दुर्घटना दियामिर में थकदास छावनी से लगभग 12 किलोमीटर दूर हुडोर गांव के पास रविवार देर रात लगभग एक बजे हुई. मृतकों की पहचान पायलट कमांड मेजर आतिफ, सह-पायलट मेजर फैजल, फ्लाइट इंजीनियर नायब सूबेदार मकबूल।

राहुल कर रहे हैं मतदाताओं का अपमान

रविशंकर प्रसाद बोले-विपक्ष के नेता के पद को कमतर कर रहे..

नयी दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को राहुल गांधी के इस दावे का मजाक उड़ाया कि वह जल्द ही अपने वोट चोरी आरोप के सिलसिले में हाइड्रोजन बम सामने लेकर आएंगे. भाजपा ने उनका एटम बम बेकार साबित होने का दावा करते हुए उन पर गैरजिम्मेदाराना टिप्पणियों से लोकसभा में विपक्ष के नेता के अपने पद को कमतर करने का आरोप लगाया. गांधी पर निशाना साधते हुए भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस नेता और उनकी पार्टी का

मोदी को गाली देने का इतिहास रहा है. उन्होंने कहा कि लोगों ने बार-बार गांधी को नकारा है और प्रधानमंत्री में विश्वास जताया है. पटना में अपनी वोट अधिकार यात्रा के समापन के दौरान गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष किया था. प्रसाद ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भाजपा की जीत के पीछे धोखाधड़ी और छल का आरोप लगाकर कांग्रेस नेता मतदाताओं का अपमान कर रहे हैं. उन्होंने कहा, यह अहंकार है और हम मतदाताओं से कहेंगे कि वे उन्हें उनके अहंकार की सज.ा दें. पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रसाद ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर भी बार-बार निशाना साधा और कहा कि बिहार में कांग्रेस का कोई राजनीतिक आधार न होने के बावजूद वह राहुल गांधी के 'दोयम का दर्जा' निभा रहे हैं. उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव का मुख्यमंत्री पद पर दावा है, लेकिन उन्होंने आगे की कुर्सी राहुल गांधी को दे दी है.

वोट चोरी मोदी की आदत

पीएम बिहार चुनाव में भी यही चाहेंगे...

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आगामी बिहार विधानसभा चुनाव वोट चोरी के ज़रिए जीतने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने लोगों से अपने मताधिकार की रक्षा के लिए सतर्क रहने का भी आग्रह किया, वरना मोदी और अमित शाह आपको डुबो देंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व वाली मतदाता अधिकार यात्रा के समापन पर आयोजित एक जनसभा में खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को चोरी करने की आदत है। वह वोट चुराते हैं, पैसा चुराते हैं। और वे

(भाजपा) उन लोगों का ख्याल रखते हैं जो देश के बैंकों को लूटकर भारत से भाग गए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी वोट चोरी के ज़रिए बिहार चुनाव जीतने की कोशिश कर रहे हैं।

उधर जरांगे की तबीयत बिगड़ी, आधी रात को पहुंचे डॉक्टर

मुंबई । मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मुंबई के आजाद मैदान में चल रहा अनशन अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। एक तरफ अनशन के तीसरे दिन मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल की तबीयत बिगड़ गई है, वहीं दूसरी ओर इस संकट का हल निकालने के लिए सरकार की मराठा आरक्षण उपसमिति की अहम बैठक शुरू हो गई है। सबकी निगाहें अब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर टिकी हैं कि क्या आज इस मामले पर कोई फैसला होगा। बिना कुछ खाए-पिए अनशन पर बैठे मनोज जरांगे पाटिल की हालत रविवार सुबह बिगड़ने लगी। शनिवार देर रात भी उन्हें बेचैनी महसूस हुई, जिसके बाद डॉक्टरों की एक टीम को तुरंत आजाद मैदान बुलाना पड़ा।

पूर्वी अफगानिस्तान में भूकंप से तबाही

गांव के गांव बर्बाद, कम से कम 800 लोगों की मौत 2500 घायल, भूकंप के कारण संचार व्यवस्था ढप....

काबुल/ एजेंसी

पूर्वी अफगानिस्तान में आए एक शक्तिशाली भूकंप में लगभग 800 लोगों की मौत हो गई। अब तक 2,500 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। रविवार देर रात 6.0 तीव्रता का भूकंप नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर के पास कुनार प्रांत के कई कस्बों में आया, जिससे भारी नुकसान हुआ। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, रात 11:47 बजे आए भूकंप का केंद्र नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर से 27 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व में था। इसकी गहराई महज 8 किलोमीटर

थी। कम तीव्रता वाले भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। इसके बाद भी इलाके में कई झटके आए। सोशल मीडिया और समाचार चैनलों पर प्रसारित वीडियो फुटेज में बचावकर्मी घायल लोगों को ढही हुई इमारतों से स्ट्रेचर पर उठाकर हेलीकॉप्टरों में ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि कई लोग अपने हाथों से मलबा हटाने की कोशिश कर रहे हैं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मृतकों की संख्या बढ़कर 800 हो गई है। 2,500 लोग घायल हुए हैं। ज्यादातर लोग कुनार प्रांत में हताहत हुए हैं। कुनार के सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में से एक नूरगल जिले के एक निवासी ने बताया कि लगभग पूरा गांव ही तबाह हो गया है। बच्चे मलबे के नीचे हैं। बुजुर्ग मलबे के नीचे हैं। युवा मलबे के नीचे हैं। हमें मदद की जरूरत है। हमें लोगों की जरूरत है, जो यहां आकर हमारी मदद करें। आइए हम दबे हुए लोगों को बाहर निकालें। कोई भी ऐसा नहीं है, जो आकर मलबे के नीचे से शवों को निकाल सके। पूर्वी अफगानिस्तान पहाड़ी इलाका है। यह दूरदराज के इलाकों में फैला है। भूकंप के कारण संचार व्यवस्था बिगड़ गई है।

प्रकृति का कहर

उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन से पांच लोगों की मौत-राज्य के सभी स्कूल-कॉलेज बंद...

नयी दिल्ली/ संवाददाता

उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन से पांच लोगों की मौत हो गई जबकि पहले से ही बाढ़ प्रभावित पंजाब में सोमवार को फिर मूसलाधार बारिश हुई, जिसके कारण राज्य के सभी स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए. हिमाचल में कई स्थानों पर भारी बारिश हुई और शिमला में भूस्खलन की दो अलग-अलग घटनाओं में 35 वर्षीय एक व्यक्ति और उसकी बेटी सहित तीन लोगों की बीती रात मौत हो गई. शिमला शहर के बाहरी इलाके जुन्गा के दुबलू क्षेत्र में रात को हुए भूस्खलन में वीरेंद्र कुमार और उनकी दस वर्षीय बेटी की मौत हो गई लेकिन वीरेंद्र की पत्नी, जो घर के बाहर थीं, बच गईं. वहीं, उएक अन्य घटना में शिमला के कोटखाई क्षेत्र के चोल गांव में सोमवार तड़के एक बुजुर्ग महिला का मकान ढह जाने से उसकी मौत हो गई. उसकी पहचान कलावती के रूप में हुई और उसका शव मलबे से निकाल लिया गया है. इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि उत्तराखंड में केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार को भूस्खलन से दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए. यह दुर्घटना सुबह 7.34 बजे सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच

मुनकटिया के पास हुई. रुद्रप्रयाग जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह राजवार ने कहा कि मुनकटिया में पहाड़ी से पत्थर गिरे और सड़क से गुजर रहे एक वाहन से टकरा गए, जिससे दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और छह को अस्पताल ले जाया गया. पंजाब, हरियाणा और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के कई हिस्सों में सोमवार को बारिश हुई, जिसमें लुधियाना में सबसे अधिक 216.70 मिमी बारिश दर्ज की गई. लगातार बारिश के कारण पंजाब के कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं. पंजाब सरकार ने सोमवार को लगातार बारिश के कारण सभी कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और पॉलिटेक्निक संस्थानों को तीन सितंबर तक बंद करने की घोषणा की है. अधिकारियों के अनुसार, पंजाब में अगस्त में 253.7 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 74 प्रतिशत अधिक है और राज्य में 25 वर्षों में सबसे अधिक है.

खेती पर निर्भर न रहें

उद्योग और व्यवसाय स्थापित करें:शरद....

नई दिल्ली। राकांपा (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने बुनियादी ढांचे के विकास के दौर में घटती कृषि भूमि जैसे कारकों को रेखांकित करते हुए रविवार को युवाओं से खेती पर निर्भर रहने के बजाय उद्योग और व्यवसाय स्थापित करने की अपील की। वरिष्ठ नेता ने कहा कि पुणे जिले के पुरंदर में बनने वाला हवाई अड्डा क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पवार ने उरुली कंचन ग्राम पंचायत के कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद कहा, पुणे की बढ़ती आबादी बुनियादी ढांचे पर बोझ डाल रही है। कृषि भूमि कम होती जा रही है। उन्होंने कहा

कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण ने पनवेल की सूरत बदल दी है और इस क्षेत्र में कई संस्थान स्थापित हो रहे हैं। पूर्व केंद्रीय कृषिमंत्री ने कहा, हेलीकॉप्टर से मुंबई जाते समय पनवेल के पास एक अलग ही नजारा दिखाई देता है।

किरन्दुल में सेवा दे रहीं सर्वसुविधायुक्त एम्बुलेंस में दवाओं की कमी, लोगों को नहीं मिल रहा उचित उपचार

किरंदुल। छत्तीसगढ़ प्रदेश के शहरी क्षेत्रों की स्लम बस्तियों में निवासरत लोगों को घर पहुंच स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के उददेश्य से छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना मोबाइल मेडिकल यूनिट यानि सर्वसुविधायुक्त एम्बुलेंस के माध्यम से किरन्दुल में भी बस्तियों एवं अन्य जरूरत मंद लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवायें उपलब्ध कराया जाता हैं।लेकिन इन दिनों सर्वसुविधायुक्त एम्बुलेंस में ईलाज कराने पहुंचें लोगों को सही उपचार व आवश्यक दवाइयां नहीं मिल पा रहीं हैं। बता दें रविवार दोपहर 12 बजे बीआईओपी स्कूल के पास सेवा दे रहीं सर्वसुविधायुक्त एबुलेंस में कई लोग ईलाज के लिए पहुंचें थें। लेकिन इस दौरान उन्हें बहुत सी दवाइयों की आवश्यक खुराक नहीं मिल पाई, दवा की कमी को लेकर लोगों में निराशा व नाराज़गी दोनों देखी गई। लोगों ने विभाग को इस संदर्भ में आवश्यक क़दम उठाने की मांग की। जिला पंचायत

सीईओ जयंत नाहटा ने बताया कि इस संदर्भ में संज्ञान लिया जाएगा एवं जल्द ही आवश्यक दवाइयां उपलब्ध करवाई जाएगी। इस विषय में किरन्दुल मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने बताया कि अभी मैं शासकीय कार्यों से बाहर हूं, अवश्य इस विषय में चर्चा कर जो भी कमी हैं उसे पूरी की जाएगी।

तीन दिनों के भीतर दो शिक्षा दूतों की हत्या सुंदरराज ने दी नक्सलियों को चेतावनी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को खत्म कर देने की एक तारीख का ऐलान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की ओर से दिया गया है। पिछले डेढ़ दो साल में पुलिस के सफल मुठभेड़ों, आत्म समर्पण और नक्सलियों की गिरफ्तारियों को देखें तो, केंद्रीय गृहमंत्री के बयान पर भरोसा भी होता है। पर पिछले तीन दिनों के भीतर दो शिक्षा दूतों की हत्या के बाद नक्सलियों का दहशत छाया हुआ है। पहले शिक्षा दूत की हत्या सुकमा जिले में की गई है। दूसरे शिक्षा दूत की हत्या बीजापुर जिले में की गई है। सुकमा जिले की पुलिस ने एक मीम जारी करके फिर से नक्सलियों को आईना दिखाने की कोशिश की गई है। शाम बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक पी सुंदरराज ने 9 बिंदुओं में नक्सलियों को आईना दिखाया और चेतावनी भी दी। पुलिस ने एक प्रेस नोट जारी करके बताया कि बस्तर पुलिस क्षेत्र में बच्चों को पढ़ाने के लिए निःस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे युवा शिक्षादूतों की निर्मम और कायराना हत्या की कड़े शब्दों में निंदा करती है। समाज के उत्थान और भविष्य के लिए कार्य कर रहे लोगों को जानबूझकर निशाना बनाने वाले ऐसे अमानवीय कृत्य किसी भी स्थिति में अस्वीकार्य हैं और बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। निर्दोष नागरिकों और युवा शिक्षादूतों को पुलिस मुखबिर बताना महज़ माओवादियों का एक कायराना प्रयास है, जिसका उद्देश्य केवल स्थानीय जनता को डराना और अपने कैडरों का मनोबल बढ़ाना है, जो हाल के समय में लगातार झटकों के कारण पहले ही पूरी तरह गिर चुका है। इस तरह की कायराना हरकतें माओवादी ताकत का संकेत नहीं, बल्कि उनकी कमजोरी और हताशा का स्पष्ट प्रमाण हैं।

यदि किसी भी स्थिति में ऐसे बेमतलब और हिंसक कृत्यों को माओवादी शीर्ष नेतृत्व, केंद्रीय समिति/पॉलिट ब्यूरो की मंजूरी प्राप्त है, तो यह निश्चित रूप से उनके ताबूत में अंतिम कील साबित होगा। वहीं यदि ये हत्याएँ स्थानीय स्तर के कैडरों द्वारा की जा रही हैं, तो यह केवल इस सच्चाई की पुष्टि है कि माओवादी संगठन पूरी तरह से दिशाहीन और नेता विहीन हो चुका है। माओवादियों ने शिक्षादूतों की हत्या की इन हमलों का उद्देश्य स्पष्ट है- माओवादी स्थानीय जनता, विशेषकर बच्चों, को शिक्षा से वंचित करना चाहते हैं। उन्हें डर है कि एक शिक्षित और जागरूक समाज उनकी पुरानी, अमानवीय, विकास विरोधी और क्रूर विचारधारा को अस्वीकार कर देगा। प्रतिबंधित और अवैध माओवादी संगठन के कैडरों और उनके नेतृत्व को कड़ी चेतावनी देते हुए सुन्दरराज पट्टलिंगम, पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज ने कहा- निर्दोष नागरिकों और शिक्षा के लिए समर्पित शिक्षादूतों की हत्या एक अक्षम्य अपराध है। बस्तर पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि इन जघन्य कृत्यों के दोषियों की पहचान की जाए, उनका पीछा किया जाए और उन्हें कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। जो भी लोग इस प्रकार की हिंसा में शामिल रहेंगे, उन्हें सुरक्षा बलों की निर्णायक और लगातार कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। ता की आकांक्षाओं के अनुरूप प्रतिबंधित और अवैध माओवादी संगठनों के विरुद्ध निर्णायक और सर्वांगीण कार्रवाई की जाएगी।

जिला पंचायत नारायणपुर के सामान्य सभा की बैठक संपन्न

नारायणपुर। जिला पंचायत सभाकक्ष में सामान्य सभा की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इसमें विभिन्न विभागों जैसे कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, लोक निर्माण विभाग आदि के कार्यों पर चर्चा की, जिले के विकास संबंधी कार्यों की समीक्षा की और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकांक्षा शिक्षा खल्खो, जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रताप सिंह मंडावी, जिला पंचायत सदस्य संतनाथ उसेण्डी, राकेश उसेंडी हीना नाग, सुखयारी सलाम, शांति नेताम, लता कोर्राम, प्रमिका कचलाम, गुड्डू उसेण्डी, कमलेश्वरी नाग और समस्त विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

केरल ने राजस्थान को हराया, फाइनल में बनायी जगह

नारायणपुर। नारायणपुर स्थित रामकृष्ण मिशन आश्रम नारायणपुर के फुटबॉल ग्राउंड में जारी सब जूनियर गर्ल्स नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप 2025-26 के टायर-2 के दूसरे सेमीफाइनल में केरल ने राजस्थान को 8-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन एवं रामकृष्ण मिशन के संयुक्त तत्वावधान में 16 अगस्त से शुरू हुई इस प्रतियोगिता में देशभर से 14 टीमों ने हिस्सा लिया है। रविवार सुबह आठ बजे खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में केरल ने शानदार प्रदर्शन किया। केरल की खिलाड़ी अर्पिता ने हैट्रिक गोल कर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। मैच का टॉस भी केरल ने जीता था। जीत के बाद टीम के कोच डॉ. जेम शॉट ने कहा कि खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया और आयोजन स्थल की व्यवस्थाएं सराहनीय हैं।

मेन मार्केट में नवयुवा गणेश पूजा समिति द्वारा किया जा रहा हैं गणेशोत्सव का आयोजन

किरंदुल। किरन्दुल के वार्ड क्रमांक 08 मेन मार्केट नवयुवा गणेश समिति द्वारा 16 वां वर्ष गणेशोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा हैं। बता दें समिति द्वारा भव्य पंडाल बनाकर भगवान गणेश जी की आकर्षक प्रतिमा स्थापित की गई हैं। बता दें 11 दिनों तक बड़े हर्षोल्लास के साथ पूजा पाठ एवम विभिन्न प्रतियोगिताओं आयोजित की जा रहीं हैं। साथ ही रविवार नगरवासियों के सुख शांति व स्वास्थ्य की मंगल कामना के साथ भगवान गणेश जी की विधि विधान से विशेष पूजा अर्चना एवं आरती की गई।

किरंदुल व्यापारी कल्याण संघ का होगा 15 सितंबर को चुनाव, बैठक में लिया गया निर्णय

किरंदुल। लौहनगरी किरंदुल में किरंदुल व्यापारी कल्याण संघ की तरफ से शनिवार अंबेडकर भवन में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सैकड़ों की संख्या में व्यापारियों ने भाग लिया। व्यापारियों ने सर्वसम्मति से चुनाव कराने के लिए अपनी सहमति दी। इस बैठक को लेकर किरंदुल के व्यापारियों में उत्साह था और इतने सालों बाद इतनी अधिक मात्रा में किरंदुल के कोने-कोने से छोटे-बड़े सभी प्रकार के व्यापारी बैठक में उपस्थित हुए जो पूरे शहर में कौतूहल का विषय था। इस बैठक में चुनाव संचालन कमेटी का गठन भी किया गया। कमेटी में बंटी अरोड़ा, जयदीप माकन, बिप्लव मल्लिक, रवींद्र सोनी, आर सी नाहक, आजाद सक्सेना, शैलेंद्र सिंह, विजय सोढ़ी, तपन दास को रखा गया हैं। इन सभी सदस्यों को चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई चुनाव 15 सितंबर को करवाने की सहमति बनीं।

दंतेवाड़ा और नारायणपुर को जोड़ने वाला पुल खंडहर बना

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा के जिलाधीश कुणाल दुदावत ने मांडर पुल के पास आकर पुल की बदहाली को देखा। इस पुल के बह जाने से नारायणपुर और दंतेवाड़ा का सड़क संपर्क टूट गया है। सोमवार से लेकर मंगलवार तक हुई मूसलाधार बारिश ने सबसे ज्यादा दंतेवाड़ा को ही प्रभावित किया है। दक्षिण बस्तर के दंतेवाड़ा जिले में शंखनी, डंकनी और इंद्रावती नदी ये तीन नदियां बहती हैं। तीन नदियों के पानी ने मिलकर भारी तबाही मचाई है। जिलाधीश कुणाल दुदावत ने वार्ता को बताया कि इंफ्रास्ट्रक्चर को हुए नुकसान का आंकलन करवाया जा रहा है। और बहुत जल्दी ही इंफ्रास्ट्रक्चर ठीक कर लिए जाएं इसकी कोशिशें की जा रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जापान प्रवास के दौरान बस्तर संभाग के आयुक्त से बात करके बस्तर में आई बाढ़ का जायजा लिया था।

डीएवी किरंदुल में विद्यालय कैबिनेट का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

किरंदुल। डीएवी पब्लिक स्कूल किरंदुल में इन्वेस्टीचर सेरेमनी का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय कैबिनेट के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण विद्यालय कैप्टन सांई कृष्णा वमसी कक्षा बारहवीं (विज्ञान संकाय) के द्वारा कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना गीत से हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के कप्तान, उप कप्तान तथा चारों सदनों (अग्नि, वायु, पृथ्वी, आकाश) से विभिन्न प्रतिनिधियों को शपथ दिलाई गई। विद्यालय के प्राचार्य एस के श्रीवास्तव ने नवनिर्वाचित कैबिनेट को विद्यालय के अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं विद्यालय के गौरव बनाए रखने की प्रेरणा दी।उक्त कार्यक्रम में सभी शिक्षक गण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे, और नवनिर्वाचित कैबिनेट सदस्यों को बधाई दी।

दंतेवाड़ा जिले के बाढ़ पीड़ितों के कठिन समय में सहायक बना एनएमडीसी, वितरण किया जा रहा हैं राहत सामग्री

किरंदुल। दंतेवाड़ा जिले में हुई अत्याधिक बारिश और नदियों में उफान के कारण सामान्य जनजीवन बुरी तरह से अस्तव्यस्त हो गया, कई सड़कें और पुल बह गये और कई गांव जलमग्न हो गया। बाढ़ में फंसे लोगों के हालात काफी दयनीय हो गई है। एनएमडीसी किरंदुल कॉम्प्लेक्स के अधिशासी निदेशक रवीन्द्र नारायण के कुशल निर्देशन एवं उप महाप्रबंधक मानव संसाधन केएल नागवेणी के मार्गदर्शन से प्रबंधन ने मदद का हाथ बढ़ाते हुए अपने अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही कर बाढ़ पीडितों को तत्काल मदद करने निर्देशित किया। ऐसे कठिन समय में एनएमडीसी मानवीय संवेदनाओं को दिखाते हुए पीड़ितों को राहत पहुंचाने का कार्य लगातार दंतेवाड़ा जिले के विभिन्न

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कर रही है। इसी कड़ी में एनएमडीसी ने 8000 से अधिक राहत पैकेट, जिसमें कंबल, चादर, पैंट, टी-शर्ट, साड़ी, आटा, दाल, तेल, चावल, साबुन व दैनिक जरूरत की अन्य सामाग्रियां रखी गई हैं, जिसका वितरण एनएमडीसी जिला प्रशासन के माध्यम से किया।ज्ञात हो कि एनएमडीसी अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता को सदैव निभाते हुए हमेशा ऐसे जनहित कार्यों में पीड़ितों के लिए तत्पर रहती है।

एनएचएम कर्मियों ने खोजी मोदी की गारंटी भीख मांग कर जताया विरोध 13वें दिन भी हड़ताल जारी

पीपी किट पहन कर कोरोना योद्धाओं ने भीख मांगकर जताया विरोध

सुकमा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कर्मचारी नियमितीकरण, ग्रेड पे सहित अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर अलग-अलग गतिविधियों के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। कार्यक्रम में सभी एनएचएम हड़ताली कर्मचारी रैली निकल कर मोदी की गारंटी खोजों अभियान चलाया ओर पीपी कीट पहना कर कोरोना योद्धाओं के सड़क पर उतर कर भीख मांगा और भीख से मिले पैसा को सरकार का खजाने के डाला जाएगा। संघ ने स्वास्थ्य मंत्रीजी के इस बात का खंडन किया है कि उनकी 5 मांगे पूरी कर दी गई है। और बाकी मांगों के लिये केंद्र से अनुमति लेना पड़ेगा। जबकि 2012 में संयुक्त सचिव ने लिखित में ये दिया था कि एनएचएम कर्मचारियों का नियमितिकरण राज्य शासन के हाथ

में है। और हमारी मांगे पूरी नही हुई है। उधर, कर्मचारियों के अनिश्चितकालीन आंदोलन में चले जाने से उप स्वास्थ्य केंद्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएँ पूरी तरह चरमरा गई हैं, जिससे आम जनता को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएँ समय पर नहीं मिल पा रही हैं। कर्मचारियों का कहना है कि स्वास्थ्य सेवाएँ ठप होने के लिए वे नहीं, बल्कि शासन का अड़ियल रवैया जिम्मेदार है। कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष डॉ वेद प्रकाश साहू एवं प्रवक्ता डा मुकेश बख्शी सहित सभी कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि नियमितीकरण, ग्रेड पे और लंबित 27% वेतन वृद्धि सहित सभी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। एनएचएम संविदा कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि शासन जल्द ही उनकी मांगों पर लिखित निर्णय नहीं लेता, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा धरना प्रदर्शन में डॉ. प्रदीप पटेल नवीन पाठक राजेन्द्र पांडेय सरफराज नवाज रीना नायडू मंजीता लकड़ा मनीषा नेताम सहित बड़ी संख्या में कोंटा छिंदगढ़ सुकमा के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

दो लाख के इनामी सहित चार नक्सली गिरफ्तार, टिफिन बम बरामद

सुकमा। सुकमा जिला पुलिस और डीआरजी को नक्सल उन्मूलन अभियान के दौरान गोगुंडा इलाके में दो लाख के इनामी नक्सली समेत चार सक्रिय माओवादियों को गिरफ्तार लिया। गिरफ्तार नक्सली सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए टिफिन बम और विस्फोटक सामग्री लेकर जंगल में घूम रहे थे। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक केरलापाल से डीआरजी और जिला बल की संयुक्त टीम नक्सल गश्त पर सामसटटी और आसपास के क्षेत्रों में रवाना हुई थी। इसी दौरान पगडंडी रास्ते के पास चार नक्सली विस्फोटक सामग्री के साथ पकड़े गए। मौके से दो टिफिन बम (करीब पांच-पांच किलो), चाश्र डेटोनेटर, दो मीटर कोर्डेक्स वायर, चार जिलेटिन रॉड, 15 मीटर इलेक्ट्रिक वायर और चार पेंसिल सेल बरामद किए गए। गिरफ्तार नक्सलियों की पहचान मुचाकी देवा (गोगुंडा पंचायत मिलिशिया कमांडर, इनामी दो लाख रुपये), मुचाकी गुडडी (डीएकेएमएस सदस्य, सोड़ी हिड़मा (मिलिशिया सदस्य) और सोड़ी देवा (मिलिशिया सदस्य) के रूप में हुई है। पूछताछ में नक्सलियों ने कबूल किया कि वे सुरक्षाबलों को नुकसान पहुँचाने के इरादे से टिफिन बम लगाने जा रहे थे। पुलिस ने उनके खिलाफ थाना केरलापाल में अपराध क्रमांक 22/2025 दर्ज किया है। मामला विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 4 और 5 के तहत पंजीबद्ध कर आगे की कार्रवाई की गई। सभी आरोपियों को विशेष न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पैदल चाल स्पर्धा, बुजुर्ग नागरिकों ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

जगदलपुर। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शुरू तीन दिवसीय खेल स्पर्धाओं की श्रृंखला में स्थानीय प्रियदर्शिनी स्टेडियम में वरिष्ठ नागरिकों का पैदल चाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में 400 मीटर पैदल चाल स्पर्धा पुरूष वर्ग में एचवाय कुकड़े ने प्रथम, दीपक नाथन ने द्वितीय तथा रामनाथ ईश्वर ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं महिला वर्ग में पदमिनी मौर्य ने प्रथम, कलावती मौर्य ने द्वितीय और मनीता राज ने तृतीय स्थान अर्जित किया। इसके पश्चात 8 से 17 वर्ष आयु समूह के बालक एवं बालिका वर्ग का कराते स्पर्धा सम्पन्न हुई, जिसमें 8 वर्ष, 10 वर्ष, 12 वर्ष, 14 वर्ष और 14 से अधिक आयु वर्ग के बालक एवं बालिकाओं ने कराते में अपनी प्रतिभा दिखाई।

संक्षिप्त समाचार

चिकित्सक का फर्जीवाड़ा, करोड़ों की एमआरआई मशीनों की होगी नीलामी

रायपुर। दिल्ली की एक प्रतिष्ठित कंपनी द्वारा अब भिलाई तथा दुर्ग में कैंसर अस्पताल चलाने वाले एक निजि चिकित्सक के फर्जीवाड़े में अनेक शिकायतें आई है जिसके चलते अब सरकार के एक उपक्रम द्वारा इनकी विर्भिन्न संपत्तियों का नीलामी करने का आदेश दिया गया है। भारत सरकार के एक उपक्रम द्वारा इस आशय का निर्णय लिया गया है जिसके लिए आज सार्वजनिक रूप से एक विज्ञापन भी जारी कर लिया गया है। जिसके अनुसार व्हीआरएस कंपनी के एमआरआई सहित अन्य मशीनों की अलग अलग तिथियों में नीलामी की जाएगी। दिल्ली स्थित इस संस्था के द्वारा इसका अधिकतम एवं न्युनतम मूल्य तय कर दिया गया है। जिसके अनुसार बोली लगाने वाले इसके आगे ही कोई बोली लगा सकते हैं। भिलाई के नेहरू नगर में रहने वाले इस फर्जी चिकित्सक के कई कारनामे है जिसमें अनेक संस्थाओं से लोन लिया था लेकिन इसे पटाया नहीं है इसके विरुद्ध पुलिस में अनेक शिकायतें है। भिलाई में सूत्रों के अनुसार दुबई सहित अन्य स्थानों पर संपत्ति बना ली है कई दिनों से कलकत्ता में झूपा होने के कारण इसे पकड़ कर भिलाई लाया गया था। रायपुर के चौबे कालोनी स्थित मशीन करोड़ों की है इस एमआरआई में शहरीर के बई भागों का एक्सरे लिया था जिससे अनेक गंभीर बीमारियों का पता चलता था। इस आधुनिक मशीन की कीमत करोड़ों है फिलहाल यह संस्थान बंद हो गया है लेकिन इसे कंपनी द्वारा निर्धारित समय पर पैसा नहीं पटाया गया है राजधानी में इस समय एमआरआई कराने वाले रायपुर एम्स के सामने तथा अन्य स्थानों पर जाते हैं। यह संगठन काफी प्रसिद्ध था जहां पर कई दुर्लभ बीमारियों का इलाज किया जाता था जिसमें किडनी कैंसर प्रमुख है। कंपनी के अनुसार बोली लगाने वाले निर्धारित शर्तों का पालन कर इसे खरीद सकते हैं।

हुक्क ा से संबंधित प्रतिबंधित सामग्रियों के साथ आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर की एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना गंज पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए हुक्का से संबंधित प्रतिबंधित सामग्रियों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 28.08.25 को एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना गंज क्षेत्रांतर्गत देवेंद्र नगर ओव्हर ब्रिज के नीचे रेल्वे स्टेशन जाने वाली रोड पास एक व्यक्ति दोपहिया वाहन एक्टिवा के साथ खड़ा है, जो अपने पास प्रतिबंधित हुक्का से संबंधित सामग्री रखा है तथा बिक्री करने की फिराक में है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना गंज पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये वाहन एवं हुलिये के व्यक्ति की पतासाजी कर व्यक्ति को पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम गयाशुद्दीन लश्कर निवासी सिविल लाईन रायपुर का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसके पास रखें थैले की तलाशी लेने पर थैला में हुक्का से संबंधित प्रतिबंधित सामग्री रखा होना पाया गया। जिस पर आरोपी गयाशुद्दीन लश्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से हुक्का से संबंधित प्रतिबंधित सामग्री 04 नग हुक्का पाट, 04 नग हुक्का पाईप, चीलम 04 नग, 01 नग चिमटा छोटा, 01 नग छोटा हीटर, 02 डिब्बा एल अकबर ब्रांड का कोकोनट कोल, 01 डिब्बा व्हाइट रोज ब्राण्ड का तंबाकू, 12 नग प्लास्टिक पाईप हुक्का पाईप में लगाने का कुल कीमती लगभग 10,000/- रूपये जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना गंज में अपराध क्रमांक 225/25 धारा 4, 21(1) सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापारा तथा वाण्जिय उत्पादन प्रदाय और वितरण का विनियमन) अधिनियम 2003 का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया।

चोरी के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। मुंगेली थाना क्षेत्र के सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल का ताला तोड़कर चोरी करने के मामले में फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है तथा आरोपी से चोरी किये गये पंखा, बड़ा कढाई, गैस चुल्हा, वायर जप्त किया है। मिली जानकारी के अनुसर दिनांक 22.08.2025 को प्रार्थी मुकेश उपाध्याय पिता स्व. हरी उपाध्याय उम्र 35 साल निवासी कालीमाई वार्ड मुंगेली ने थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल पेण्डाराकापा मुंगेली के हॉस्टल कक्ष का ताला टूटा हुआ है,हॉस्टल कक्ष का ताला टूटकर गिरा हुआ था और सामान 01 समई पीतल की थाली कॉस का लोटा 02 बड़ा कढ़ाई 2 नग 03 बड़ा गंजा 3 नग 04 बड़ा गैस चूल्हा। 05 जामैट्री बॉक्स 06 बोर केबल को बार बार काटना 07 ढोलक तबला मंजीरा हारमोनियम 08 ब्लूटूथ साउंड बॉक्स बड़ा कुल जुमला कीमती करीबन 25000 रूपये को दिनांक 15.08.25 के दोपहर करीबन 13.00 बजे से दिनांक 18.08.25 के प्रात: 11.00 बजे के मध्य कोई अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गया है कि रिपोर्ट पर धारा 331(4),305 (ए) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। प्रकरण में दिनांक 24.08.2025 को शिव यादव उर्फ शिवनारायण सिंह पिता डेरहा उम्र 28 वर्ष निवासी विनोबानगर मुंगेली को गिरफ्तार व एक विधि से संघर्षरत बालक को विधिवत कार्यवाही कर मशरूका जप्ति की गई थी एवं फरार आरोपी ताकेश्वर यादव उर्फ टनटन उम्र 27 साल निवासी विनोबानगर मुंगेली थाना सिटी कोतवाली मुंगेली छग को दिनांक 29.8.2025 को पतासाजी कर हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया जो चोरी करना स्वीकार किया जिससे चोरी की मशरूका पंखा, बडा कढाई, गैस चुल्हा, वायर को गवाहो के समक्ष जप्त कर आरोपी ताकेश्वर यादव उर्फ टनटन के द्वारा दिनांक घटना को अपराध धारा घटित करना सबुत पाये जाने से विधिवत दिनांक 29.8.2025 के विधिवत गिरफ्तार न्यायिक रिमाण्ड पर पेश कर जेल दाखिल किया गया ।

स्कूटर में घूम-घूमकर शराब बेचने वाला पकड़ाया

रायपुर। जिले की थाना बोरतलाव पुलिस ने स्कूटर में घूम घूमकर अवैध रूप से शराब की बिक्री करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 23 पौवा देशी प्लेन शराब व बिक्री रकम जब्त किया है। बता दें कि पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग जिला राजनांदगांव अवैध शराब तस्करी पर अंकुश लगाने के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ाहुल देव शर्मा, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी आशीष कुंजाम, थाना प्रभारी बोरतलाव निरीक्षक अवनीश कुमार श्रीवास की दिशा निर्देश में शराब तस्करी रोकने दिनांक 28.08.25 को ग्राम भ्रमण गस्त दौरान मुखबीर की सूचना मिली कि ग्राम बोरतलाव बंटी ढाबा के पास मेन रोड एक पुराना इस्तेमाली स्कुटी क्रमांक सीजी 08 एयू 6984 के पीछे डिक्की में छिपाकर अवध शराब बिक्री कर रहा है कि सूचना पर रेड कार्यवाही कर स्कूटी में रखे 23 पौवा देशी प्लेन मदिरा शराब प्रत्येक में 180 रूपये जुमला 4.140 बल्कलीटर किमती 1840 रूपये को परिवहन कर रहे है।

रेशम उत्पादन से जुड़े किसानों को किया गया सम्मानित

रेशम उत्पादन में छत्तीसगढ़ को लाना है पहले पायदान पर-अरुण साव

- रेशम कृषि मेला-सह-मेरा रेशम, मेरा अभिमान कार्यक्रम का आयोजन
- रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों को प्रोत्साहित करने उप मुख्यमंत्री ने डीएमएफसे एक करोड़ रुपए देने की घोषणा की

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने आज छत्तीसगढ़ में रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने रेशम कृषि मेला-सह-मेरा रेशम, मेरा अभिमान का शुभारंभ किया। उन्होंने कार्यक्रम में रेशम उत्पादक किसानों को चेक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अपने उद्बोधन में श्री साव ने कहा कि मेरा रेशम, मेरा अभिमान कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक मशीनों के संबंध में जानकारी प्रदान करना, प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर हुए रेशम उत्पादन से जोड़ना ही नहीं है, बल्कि आमदनी बढ़ाना, आत्मनिर्भर बनाकर प्रदेश और देश को आर्थिक प्रगति की राह में आगे ले जाना भी है। अभी रेशम उत्पादन में छत्तीसगढ़ देश में दूसरे नंबर पर है, इसे पहले पायदान पर लेकर जाना है। श्री साव ने इस आयोजन को मील का पत्थर बताते हुए इसमें सभी की सहभागिता को आवश्यक बताया। उन्होंने किसानों के प्रशिक्षण तथा मेरा रेशम, मेरा अभिमान कार्यक्रम की प्रगति के लिए जिला खनिज संस्थान न्यास से एक करोड़ रुपए देने की घोषणा की। कोरबा के पाली विकासखंड में केंद्रीय रेशम बोर्ड-बुनियादी बीज का प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र में केरेबो-बुनियादी टसर रेशम कीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र

मंत्रालय भारत सरकार बिलासपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री साव ने रेशम उत्पादन को आमदनी का प्रमुख स्त्रोत बताते हुए कहा कि किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। किसान जितने सक्षम होते जाएंगे, हमारा प्रदेश और देश भी उतना ही सक्षम होगा। इस अभियान से किसानों को प्रशिक्षण की सुविधा मिलने के साथ ही रेशम उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। श्री साव ने रेशम उत्पादन में आने वाली बाधाओं को दूर करने की बात कही। इसके लिए रेशम विभाग से जुड़े अधिकारियों को कार्यालय आकर समस्याओं को चिन्हित कराने को कहा। उप मुख्यमंत्री श्री साव और अन्य अतिथियों ने मेरा रेशम, मेरा अभिमान के पोस्टर का विमोचन भी किया। उन्होंने रेशम कृषि मेले में लगे स्टॉल्स का अवलोकन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल ने कहा कि हमारे जिले में बड़ी मात्रा में रेशम का उत्पादन होता है। यह रेशम कीमती होने के साथ ही किसानों के आय का प्रमुख जरिया भी है। रेशम उत्पादन से बहुत से लोगों को रोजगार भी मिला है। प्रधानमंत्री की मंशा है कि किसानों की आमदनी भी दोगुनी हो, ऐसे में स्थानीय किसानों को इससे जुड़कर आमदनी अर्जित करना होगा। पाली-तानाखार के विधायक श्री तुलेश्वर सिंह मरकाम ने कहा कि कोरबा की पहचान पहले से ही रेशम के पटल पर विश्व विख्यात है। यहाँ से बड़ी संख्या में किसान जुड़े हुए हैं। मेरा रेशम, मेरा अभिमान स्थानीय किसानों के लिए लाभदायक होगा। कोरबा के कलेक्टर श्री अजीत वसन्त, केंद्रीय रेशम बोर्ड रांची के निदेशक डॉ. एन.बी. चौधरी, बिलासपुर के डॉ. नरेन्द्र कुमार भाटिया, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह कंवर।

राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर वैद्य कार्यशाला कराने का प्रस्ताव-विकास मरकाम..........

- कोटेश्वर धाम में राज्य स्तर पर वैद्य संघठन ने मनाया ऋषि पंचमी महोत्सव

रायपुर ।संवाददाता

धमतरी जिला के नगरी विकासखंड के कोटेश्वर धाम में 28 अगस्त को वैद्यराज संगठन के तत्वाधान में ऋषिपंचमी महोत्सव बड़े ही धुमधाम से मनाया गया। वहीं इस आयोजन में प्रदेश छ.ग.औषधि पादक बोर्ड के सीईओ चंन्द्रशेखर सिंह राव का बहुत अच्छा मार्गदर्शन भी रहा। छ.ग.औषधि पादक बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम इस दौरान अपने उद्धबोधन में सेवा कार्य और परांपरिक व्यवस्था को पीढी दर पीढी संरक्षित रखने के लिए वैद्य संघ के सदस्यों को शुभकामनाऐं प्रदान की और अगामी दिनों में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बोर्ड के व्दारा वैद्य कार्यशाला करवाने की योजना बताया ।साथ ही पादक बोर्ड से हर जिले के वैद्य को जोड़कर प्रशासनिक सहयोग प्रदाय करना भी बताया। प्राचीन परंपरा ऋषि-मुनि व्दारा जड़ीबुटी से ही उपचार किया करते थे।और ओ परंपरा आज भी प्रभावशाली है अपनी विरासत और पारंपारिक उपचार प्रणाली पर हमें गर्व होना चाहिए कहा। छत्तीसगढ़ वैद्यराज संगठन के अध्यक्ष दशरत नेताम ने बताया के प्रतिवर्ष ऋषिपंचमी संगठन व्दारा मनाया जाता है पर्व मनाने का उद्देश छत्तीसगढ के तमाम वैद्य सदस्यों

को एक मंच के माध्यम से जोड़कर रखना है और छत्तीसगढ की परांपरिक आयुर्वेद परंपरा से लोगों की सेवा करना है संगठन की सदस्यों को सरकार की विभागीय योजनाओं का लाभ के साथ शासन की विभागीय मार्गदर्शन भी प्राप्त करना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छ.ग.औषधि पादक बोर्ड एवं आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा के चेयरमेन विकास मरकाम थे अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा ने की, विशेष पहुना क्षेत्रीय विधायक अंम्बिका मरकाम सिहावा विधानसभा क्षेत्र,जिला पंचायत उपाध्यक्ष गौकरण साहु,अजय ध्रुव जिला पंचायत सदस्य,महेश गोटा अध्यक्ष जनपद-पंचायत नगरी रहे। कार्यक्रम की शुभारंभ ऋषि परंपरा अनुसार तमाम अतिथियों का स्वागत व्दार से मंच तक आदिवासी परांपरिक मांदरी नृत्य से स्वागत किया गया ।इस दौरान भीमा कोटेश्वर बाबा की सभी अतिथियों को पुजारी व्दारा विधिविधान से पुजा अर्चना कराया गया ।उसके उपरांत ऋषि परंपरा अनुसार छत्तीसगढ के विभिन्न जिलों से कार्यक्रम में पहुंचे वैद्यराज की उपस्थिति में जड़ीबुटी के साथ आराध्य देव शक्तियों की पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम की शुभारंभ हुई।

दीदी के गोठ रेडियो कार्यक्रम का पूरे प्रदेश में किया गया प्रसारण

- छत्तीसगढ़ में ग्रामीण महिलाओं के सशक्ति करण की नई पहल

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने एक नई और अभिनव पहल की है। 'दीदी के गोठ' नामक विशेष रेडियो कार्यक्रम का प्रसारण 31 अगस्त को दोपहर 12:15 बजे आकाशवाणी रायपुर केंद्र सहित राज्य के सभी आकाशवाणी केन्द्रों से एक साथ किया गया। इस कार्यक्रम को प्रदेशभर में उत्साहपूर्वक सुना गया। इस कार्यक्रम के माध्यम मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री तथा उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा की प्रेरणादायी शुभकामनाएँ और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कवर्धा जिले में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूह की दीदियों और पदाधिकारियों के साथ 'दीदी के गोठ' का श्रवण किया और कार्यक्रम की सफलता के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस मंच पर साझा की जा रही सफलता की कहानियाँ अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेंगी। विभागीय अधिकारियों ने भी विभिन्न जिलों में पहुँचकर सामूहिक श्रवण में भाग लिया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री भीम सिंह ने गरियाबंद, विशेष सचिव श्री धर्मेश साहू ने जांजगीर, प्रधानमंत्री आवास योजना के संचालक एवं आयुक्त मनरेगा श्री तारन प्रकाश सिन्हा ने धमतरी और पंचायत विभाग की संचालक श्रीमती प्रियंका महोबिया ने दुर्ग जिले में समूह सदस्यों के बीच बैठकर कार्यक्रम का श्रवण किया तथा महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। रायपुर के सेरीखेड़ी स्थित समुदाय प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान में भी संकुल स्तरीय प्रसारण हुआ, जहाँ बिहान मिशन संचालक श्री अश्विनी देवांगन, संयुक्त मिशन संचालक श्री आर.के. झा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। 'दीदी के गोठ' कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को शासन की योजनाओं से जोड़ते हुए उन्हें आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाना है। इसके अंतर्गत स्व-सहायता समूहों की सफल महिलाओं की प्रेरणादायक कहानियाँ साझा की जा रही हैं, ताकि अन्य महिलाएँ भी स्वरोजगार और आत्मविश्वास की राह पर आगे बढ़ें। इस विशेष प्रसारण को प्रदेश के 33 जिलों, 146 विकासखंडों और 580 संकुल संगठनों में सामूहिक श्रवण के रूप में आयोजित किया गया।

पीएम मोदी को अपशब्द मामले में भाजपा का राहुल पर हमला..

- कांग्रेस 15 वर्षों से सत्ता से बाहर है, इसलिए ऐसी भाषा का सहारा लेती है

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ मंच से अपशब्द बोले जाने को लेकर देश की राजनीतिक स्थिति गर्मा गई है। इस विवाद के बीच, भारतीय जनता पार्टी और एनडीए के नेताओं ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया है। छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने राहुल गांधी को कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक और अमर्यादित भाषा का प्रयोग राजनीति की मर्यादा के खिलाफहै। एकात्म परिसर में मीडिया से

बातचीत में किरण सिंहदेव ने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की रैलियों में प्रधानमंत्री मोदी के लिए अभद्र शब्दों का प्रयोग किया गया, जिसका किसी भी हालत में समर्थन नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि यह भाषा भारतीय राजनीति की परंपरा और संस्कृति के खिलाफ है। उन्होंने कहा, कांग्रेस 15 वर्षों से सत्ता से बाहर है, इसलिए ऐसी भाषा का सहारा लेती है। राहुल गांधी पहले भी जातिगत टिप्पणी कर चुके हैं और पीएम मोदी के लिए 'तू तड़क' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया है। उन्हें समझना चाहिए कि राजनीति की भी एक सीमाएं होती हैं। किरण सिंहदेव ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी समय-समय पर ऐसे अमर्यादित शब्दों से आने वाली पीढ़ी को गलत संदेश देती रही है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री को 'वोट चोर' कहना भी कांग्रेस की परंपरा बन चुकी है। वे बिना किसी ठोस सबूत के झूठे आरोप लगा रहे हैं और चुनाव जीतने के लिए भ्रामक नरेटिव फैला रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का मानना है कि कांग्रेस की इस भाषा और व्यवहार का जवाब अंतत: जनता ही देगी।

कुत्ते के भौंकने को लेकर हुए विवाद में युवक की हत्या

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के तमनार थाना क्षेत्र के दांदरी गांव में कुत्ते के भौंकने को लेकर हुए विवाद की एक युवक की जान चली गई। मिली जानकारी के अनुसार 25 वर्षीय सुजीत खलखो नामक युवक अपने एक रिश्तेदार के यहाँ खाना खाने गया था। रात करीब 8:30 बजे, तीन लोग अचानक वहाँ पहुँचे और सुजीत पर धारदार टांगी (कुल्हाड़ी) से हमला कर दिया। सुजीत के चाचा सुरेश मिंज ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, जिससे उन्हें भी गंभीर चोटें आईं। हमले में सुजीत की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही तमनार पुलिस मौके पर पहुँची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आंगनबाड़ियों और स्कूलों में बच्चों की बन रही सेहत

खीर,पूड़ी,हलवा,खिचड़ी,पोहा,भजिया और सेवई का मिल रहा स्वाद

- गैस चूल्हे की व्यवस्था से धुएं से मिली मुक्ति

रायपुर/ संवाददाता

आंगनबाड़ियों और स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे अब पहले से बहुत खुश हैं। समय पर स्कूल और आंगनबाड़ी खुल रहे हैं। वहां मिलने वाले नाश्ते खीर, पूड़ी, हलवा, खिचड़ी, पोहा, भजिया, सेवई तथा भोजन से उन्हें ऊर्जा भी मिल रही है। गैस सिलेण्डर की व्यवस्था से आंगनबाड़ियों और स्कूलों में भोजन पकाने के दौरान उत्पन्न होने वाले धुएं से भी मुक्ति मिल गई है। इससे रसोईयों के साथ ही विद्यार्थियों और शिक्षकों को भी राहत मिली है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर कोरबा जिले के सभी आंगनबाड़ियों तथा प्राइमरी व मिडिल स्कूलों में सुबह के नाश्ते की व्यवस्था डीएमएफ से की जा रही है। नाश्ते और सिलेण्डर की व्यवस्था ने आंगनबाड़ी तथा विद्यालय आने वाले बच्चों की रूचि बढ़ा दी है। अलग-अलग दिनों में निर्धारित मेनू के आधार पर उन्हें नाश्ता और भोजन परोसा जा रहा है। नाश्ते में खीर, पूड़ी, हलवा, खिचड़ी, पोहा व भजिया दी जा रही है। विद्यार्थी नाश्ता खाने बहुत उत्सुक रहते हैं और समय पर विद्यालय भी पहुंच जाते हैं। पोड़ी उपरोड़ा विकासखण्ड के ग्राम धोबघाट प्राथमिक शाला में कक्षा पहली की छात्रा प्रियांशी, छात्र विनय, कक्षा दूसरी की नेहा, तीसरी की रोशनी और नर्मदा तथा कक्षा पांचवी के भूपेश ने बताया कि अब नाश्ते में अलग-अलग दिनों में उन्हें अलग-अलग खाने को मिलता है। खीर, पूड़ी, हलवा, खिचड़ी, पोहा, भजिया और सेवईयां मिलती है। विद्यालय में प्रधान पाठक श्री चैनसिंह पुहुप ने बताया कि नाश्ते का प्रभाव बच्चों पर पड़ा है। उन्होंने यह भी बताया कि सिलेण्डर की व्यवस्था होने से जल्दी खाना पक जाता है। नाश्ता हो या मध्यान्ह भोजन दोनों को पकाने में आसानी हो गई है। कोरबा विकासखण्ड के दूरस्थ गांव लामपहाड़ में पहाड़ी कोरवा बच्चों में भी नाश्ते का प्रभाव

पड़ा है। आंगनबाड़ी केंद्र हो या स्कूल दोनों जगह उनकी उपस्थिति नजर आती है। पहले सुबह से ही अपने परिजनों के साथ जंगल की ओर प्रस्थान कर जाने वाले पहाड़ी कोरवा बच्चे अब समय से पहले स्कूल पहुंचते हैं। लामपहाड़ आंगनबाड़ी की कार्यकर्ता सुशीला तिर्की और सहायिका सुलोचनी यादव बताती है कि केंद्र में ज्यादातर बच्चे पहाड़ी कोरवा जनजाति के हैं। कई बच्चों को घर पर पर्याप्त आहार उपलब्ध नहीं हो पाता। ऐसे में नाश्ता और भोजन उनके शारीरिक विकास के लिए उपयोगी साबित हो रहा है। उन्होंने बताया कि सुबह दस बजे के आसपास नाश्ता देने के साथ ही दोपहर को एक बजे भोजन दिया जाता है। आंगनबाड़ी में आने वाले पहाड़ी कोरवा बच्चों सम्पति, रवीना, सुखमनिया, सुशील और कविता ने बताया कि उन्होंने सुबह नाश्ते में दलिया खाया और दोपहर को दाल, भात और सब्जी खाई है। हर दिन गरम भजिया, पोहा, खीर, पूड़ी, उपमा का नाश्ता मिलता है और इसे खाना भी अच्छा लगता है। यहां भोजन पकाने वाली सहायिका सुलोचनी यादव का कहना था कि पहले बारिश के दिनों में चूल्हा जलाना बहुत मुश्किल हो जाता था। सूखी लकड़ियों की व्यवस्था करना, फिर चूल्हा जलाकर धुएं के बीच खाना पकाना बहुत परेशानी वाला काम था। अब तो गैस से मिनटों में बिना परेशानी के खाना बनने लगा है। लामपहाड़ के प्राथमिक और माध्यमिक शाला में भी विशेष पिछड़ी जनजातियों के बच्चों की उपस्थिति तथा नाश्ते व मध्याह्न भोजन में रूचि नजर आने लगी है। कक्षा चौथी की देवशीला एवं फूलमनिया ने बताया कि स्कूल में मिलने वाला नाश्ता उन्हें अच्छा लगता है। पाली विकासखंड के दूरस्थ गांव पण्डोपारा में प्राथमिक शाला में लगभग 25 बच्चे हैं। नये भवन में आंगनबाड़ी संचालित है। दोनों जगह बच्चों को समय पर नाश्ता और भोजन मिलता है। गांव में रहने वाली पूजा पण्डो ने बताया कि उसके पांच बच्चे हैं। एक आंगनबाड़ी में और दो स्कूल में पढ़ाई करते हैं। तीनों को सुबह का नाश्ता और दोपहर का खाना मिलता है। पहले वे बहाना बनाकर स्कूल जाने में आनाकानी करते थे।

संपादकीय

दहेज के लिए महिलाओं की हत्या एक अफसोसनाक हकीकत

आधुनिक और शिक्षित माने जाने वाले समाज में अगर दहेज और इसकी वजह से होने वाली हत्या के मामले एक गंभीर समस्या के रूप में आज भी कायम हैं, तो यह सोचने की जरूरत है कि हमारे विकास की दिशा क्या रही है और इसका हासिल क्या है। यों, देश भर से दहेज के लिए किसी महिला की हत्या कर देने या उसे भयानक स्तर पर प्रताड़ित करने के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। मगर उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले से दहेज हत्या का जैसा मामला सामने आया है, वह बताता है कि आज भी कुछ लोग किस तरह की संकीर्णता, जड़ता और पिछड़े मानस से ग्रस्त है और लोभ में कितने अमानुष और क्रूर हो जा सकते हैं। गौरतलब है कि सिरसा गांव में एक महिला को उसका पति और ससुराल के अन्य लोग लगातार दहेज की मांग करते हुए प्रताड़ित करते थे, जबकि महिला के मायके से ज्यादातर मांग पूरी की गई। मगर जब व्यक्ति पर बेलगाम लालच हावी हो जाता है, तब उसके क्रूर हो जाने की आशंका बहुत बढ़ जाती है। छत्तीस लाख रुपए की नई मांग आखिरकार इस नतीजे तक पहुंची कि महिला को उसके पति ने यातना देते हुए जिंदा जला कर मार डाला।

यह घटना एक बार फिर बताती है कि अर्थव्यवस्था के चमकते आंकड़ों और विकास के दावों के बीच समाज में परंपरा के नाम पर ऐसी क्रूरताएं पल-बढ़ रही हैं, जिनका शिकार आए दिन महिलाएं हो रही हैं। सवाल है कि दहेज के खिलाफ बने सख्त कानून के बावजूद एक व्यक्ति कैसे यह साहस कर पाता है कि वह न केवल विवाह में दहेज की ऊंची मांग पूरी करवाता है, बल्कि शादी के बाद भी लगातार धन या सामान की मांग करते हुए वधू को प्रताड़ित करता है और कभी मार भी डालता है। ऐसा लगता है कि न तो कानून को अमल में लाने के लिए सरकार की ओर से पर्याप्त संजीदगी बरती जाती है, न ही दहेज के लिए वधू को यातना देने वालों को इस कानून का कोई खौफ सताता है। इसकी वजह इस हकीकत में छिपी है, जिनमें दहेज उत्पीड़न या हत्या के मामले अगर अदालतों में पहुंचते भी हैं, तो मुकदमे की सुनवाई वर्षों तक खिंचती चली जाती है और फिर ऐसे मामलों में सजा की दर काफी कम है।जाहिर है, दहेज के लिए महिलाओं की हत्या एक अफसोसनाक हकीकत है और इसे रोकने के तरीके अब तक कारगर नहीं रहे हैं। हालांकि एक धारणा यह फैलाई जाती रही है कि दहेज के बहुत सारे मामलों में इससे संबंधित कानून का दुरुपयोग किया जाता है और नाहक ही पति और उसके परिवार को फंसाने की कोशिश की जाती है।

संघ ने इस बीच अपनी स्थापना की शतकीय यात्रा पूरी करने की ओर है। विजयादशमी के दिन साल 1925 में स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस विजयादशमी को अपनी सौ साल की गौरवपूर्ण यात्रा पूरी कर लेगा। जाहिर है कि यह संघ शताब्दी वर्ष है, इस लिहाज से इस बार संघ की कोशिश अपने विचार को जन-जन और हर परिवार तक पहुंचाने की है। यही वजह है कि इस बार मोहन राव भागवत का यह संवाद कार्यक्रम इस बार बेंगलुरु, कोलकाता और मुंबई में संघ में भी आयोजित किया जाना है। संघ के आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि हो सकता है कि इसके अलावे भी अन्य जगहों पर भी व्याख्यान आयोजित किए जाएं।

संघ प्रमुख के व्याख्यान से साफ होगी वैचारिक तस्वीर

(उमेश चतुर्वेदी)

संघ प्रमुख इसके पहले साल 2018 में भी इसी तरह का व्याख्यान दे चुके हैं। जिसमें संघ प्रमुख मोहन राव भागवत ने संगठन के विचारों से उन लोगों का परिचय कराने की कोशिश की थी, जो संघ से परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से नहीं जुड़े हैं। संवाद और शास्त्रार्थ की परंपरा वाले देश में हाल के दिनों में सार्वजनिक चर्चाओं की गुंजाइश लगातार कम हुई है। इसे कभी असहिष्णुता तो तभी दूसरे विचार की उपेक्षा के तौर पर देखा गया है। देश के सर्वोच्च लोकतांत्रिक पद प्रधानमंत्री तक से शिकायत है कि संवाद नहीं रहा। ऐसे माहौल में अगर देश का पुराना संगठन और उसका प्रमुख खुद संवाद के लिए आगे आता है तो उसका भी स्वागत होना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन राव भागवत की दिल्ली में होने जा रहे संवाद कार्यक्रम के जरिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने खुद पर उठने वाले सामाजिक और राजनीतिक सवालों के साथ ही आक्षेपित आरोपों पर जवाब देने की तैयारी है। इस कार्यक्रम के लिए राजनीतिक दलों की हस्तियों को भी आमंत्रित किया गया है, देखना है कि कितने दलों के लोग इसमें शामिल होते हैं।

संघ प्रमुख इसके पहले साल 2018 में भी इसी तरह का व्याख्यान दे चुके हैं। जिसमें संघ प्रमुख मोहन राव भागवत ने संगठन के विचारों से उन लोगों का परिचय कराने की कोशिश की थी, जो संघ से परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से नहीं जुड़े हैं। संघ से जो जुड़े हैं, जो उसके कार्यकर्ता हैं, जो स्वयंसेवक हैं, वे जानते हैं कि संघ है क्या, संघ की सोच क्या है और संघ किन विचारों के साथ आगे बढ़ रहा है। बहरहाल साल 2018 का वह आयोजन सिर्फ दिल्ली में हुआ था। संघ ने इस बीच अपनी स्थापना की शतकीय यात्रा पूरी करने की ओर है। विजयादशमी के दिन साल 1925 में स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस विजयादशमी को अपनी सौ साल की गौरवपूर्ण यात्रा पूरी कर लेगा। जाहिर है कि यह संघ शताब्दी वर्ष है, इस लिहाज से इस बार संघ की कोशिश अपने विचार को जन-जन और हर परिवार तक पहुंचाने की है। यही वजह है कि इस बार मोहन राव भागवत का यह संवाद कार्यक्रम इस बार बेंगलुरु, कोलकाता और मुंबई में संघ में भी आयोजित किया जाना है। संघ के आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि हो सकता है कि इसके अलावे भी अन्य जगहों पर भी व्याख्यान आयोजित किए जाएं।

किसी संगठन का सौ साल पूरा कर लेना मामूली बात नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी 100 साल की यात्रा में समाज के हर वर्ग तक पहुंचने की कोशिश की है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मोहन राव भागवत के इस शताब्दी व्याख्यान के लिए गंभीर तैयारियां की हैं। संघ ने आगंतुकों के लिए 17 श्रेणियां और 138 उप-श्रेणियां बनाई हैं।

संघ सर्वदा यह जताने की कोशिश करता रहा है कि उसकी सोच, उसका विचार अन्य लोगों से अलग नहीं है। संघ को उसके विरोधियों ने भले ही कभी अछूत तो कभी सांप्रदायिक कहने की कोशिश की हो, लेकिन संघ ने उनके प्रति भी कभी वैमनस्यबोध नहीं रखा और ना ही उनके साथ कोई छुआछूत की भावना रखी। संघ के कई वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के अनुभवों से गुजरते हुए पता चला है कि उन्हें विरोधी राजनीतिक विचारधारा वाले नेताओं और बड़ी हस्तियों तक से मिलने, साथ चाय-पानी करने, भोजन करने, सहयोग करने-कराने तक का अवसर मिला है। संघ जरूर एक बात पर जोर देता है कि उसकी सोच भारत की स्थापित और मूल्यवान परंपराओं से प्रभावित है। संघ भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में गहराई से विश्वास करता है, इसीलिए वह हर भारतीय मे हिंदुत्व के मूल को देखने-समझने की कोशिश करता रहा है।

संघ पर गांधी जी को लेकर कई मिथ्या आरोप लगते रहे हैं। लेकिन सच यह भी है कि गांधी जी संघ के वर्ग को देखने गए थे। 27 सितंबर 1947 के हरिजन के अंक में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 1936 में वर्धा के पास लगे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिविर में गांधी जी गए थे। उसके अगले दिन गांधी जी के वर्धा स्थित तत्कालीन निवास पर डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने भेंट की थी। माना जा रहा है कि संघ प्रमुख के कल से होने वाले व्याख्यान में एक बार फिर इसकी चर्चा हो सकती है। चूंकि संघ का दृष्टिकोण राष्ट्र की प्रगति के लिए सभी के साथ मिलकर काम करना है। लिहाजा संघ के इस व्याख्यान का एक उद्देश्य यह भी है कि वह अपनी सौ साल की विकास यात्रा में समूचे देश के साथ जुड़े और समूचा देश एक साथ आगे बढ़ता रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पंच परिवर्तन के सिद्धांत स्वीकार रखा है और इन्हीं बिंदुओं पर समाज के बीच काम कर रहा है। संघ के पंच परिवर्तन का पहला बिंदु है, ससामाजिक समरसता। इसके तहत संघ और उसके असंख्य कार्यकर्ता लगातार समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सौहार्द और प्रेम बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए काम कर रहे हैं। संघ के पंच परिवर्तन का दूसरा महत्वपूर्ण बिंदु है कुटुम्ब प्रबोधन, जिसके तहत संघ की कोशिश राष्ट्र के विकास में परिवार को महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली इकाई के रूप में संवर्धित करने के प्रयासों में लगातार जुटा है। पंच परिवर्तन के तीसरे बिंदु पर्यावरण संरक्षण के तरह संघ पृथ्वी को माता तो मानता ही, इसी आधार पर पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार सक्रिय रहता है और अपने स्वयंसेवकों के साथ ही समाज से ही आशा करता है कि वह भी ऐसा ही करे। पंच परिवर्तन के चौथे बिंदु स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के तहत संघ अपने विभिन्न सहयोगी संगठनों और प्रकल्पों के माध्यम से लगातार देश की स्वदेशी अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भरता की दिशा में काम कर रहा है। पंच परिवर्तन के पांचवें बिंदु नागरिक कर्तव्य के तहत संघ की कोशिश देश के हर नागरिक की वैचारिकी को इस तरह स्थापित करना है कि वह अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन बखूबी कर सके और इस तरह राष्ट्रहित में अपना अप्रतिम योगदान दे सके। ऐसा कहा जा रहा है कि मोहन भागवत के इस व्याख्यान में इस बार इन पंच परिवर्तन के बिंदुओं पर जोर रहेगा और इसके तहत लोगों के बीच संघ अपनी बात, अपनी सोच और अपनी वैचारिकी को ना सिर्फ स्थापित करने की कोशिश करेगा, बल्कि इसके जरिए राष्ट्रहित में अपना अन्यतम योगदान दे सकेगा। संघ को लेकर एक वैचारिकी को स्थापित किया गया है कि वह अल्पसंख्यक विरोधी है। लेकिन यह सोच भी एकांगी है। संघ हर उस विचार और सोच का विरोधी है, जो भारतीयता या राष्ट्र का विरोधी है। संघ ना तो अल्पसंख्यक विरोधी है और ना ही समाज में ऊंचनीच का भाव बढ़ाने की कोशिश करता है। साल 2018 के व्याख्यान में मोहन राव भागवत ने इसे बखूबी रेखांकित करके संघ के दामन पर लगे मिथ्या आरोपों की दाग को साफ करने की कोशिश की थी। माना जा रहा है कि इस बार के व्याख्यान में संघ प्रमुख इस बारे में अपनी राय और गंभीरता से रखते हुए संघ के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करेंगे।

साल 2018 में सरसंघचालक भागवत ने भविष्य का भारत विषय पर व्याख्यान दिया था। तब उन्होंने समलैंगिकता, गौरक्षकों को लेकर उठ रही आवाजों, आरक्षण, अंतर्जातीय विवाह और जनसंख्या नीति जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर आरएसएस के रुख को स्पष्ट किया। इन बिंदुओं पर व्याख्यान संघ की स्थिति को स्पष्ट करने, आलोचनाओं का प्रतिकार करने और इस बात पर जोर देने के लिए एक अभियान का हिस्सा थे कि हिंदुत्व के बारे में उनका दृष्टिकोण क्या है। उस व्याख्यान में संघ प्रमुख ने संघ के दूसरे प्रमुख गुरू गोलवलकर की चर्चित पुस्तक 'ब्रंच ऑफ थॉट' पर उठने वाले सवालों का जवाब भी दिया था। तब उन्होंने कहा था कि संघ ऐसा संगठन नहीं है, जो एक ही विचार पर ठहरा रहे। दूसरे शब्दों में कहें तो संघ गतिशील संगठन है। हां, उसका मूल भारत, भारतीयता, भारतीय संस्कृति और हिंदुत्व है। लेकिन इसका मतलब नहीं है कि वह ठस्स विचारों पर अपनी सोच को अटकाए रखे। समय और स्थिति के लिहाज से उसकी वैचारिकी में भी गतिशीलता रहती है। माना जा रहा है कि संघ प्रमुख इस बार भी ऐसी कोई गतिशील सोच और वैचारिकी को प्रस्तुत कर सकते हैं। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आरएसएस के 100 साल: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हिंदुत्व क्या है?

(सुधांशु माहेश्वरी)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की हिंदुत्व को लेकर एक अलग ही विचारधारा है, उसने हिंदू राष्ट्र की बात कही है, लेकिन उसकी परिभाषा कुछ अलग है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस वर्ष अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर रहा है। 15 अगस्त को पीएम मोदी ने अपने संबोधन में ऋस्स को दुनिया का सबसे बड़ा हलह बताया था। मगर दुनिया में शायद ही कोई ऐसा दूसरा एनजीओ हो जिसके दो पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं को भारत जैसे विशाल देश का प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला हो। आरएसएस खुद को एक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन मानता है, लेकिन भारतीय राजनीति में उसके असर की चर्चा देश-दुनिया में होती रहती है। राजनीति हो या संस्कृति, आरएसएस से जुड़े हर विमर्श के केन्द्र में होता है- हिन्दुत्व। आखिर क्या है ये हिन्दुत्व? क्या है आरएसएस की हिन्दुत्व की परिभाषा? भारतीय राजनीति में हिन्दुत्व की एंट्री कब और कैसे हुई? जनसत्ता विशेष की खास सीरीज 'आरएसएस के 100 साल' के पहले अंक में हम आपको इन्हीं सवालों के जवाब देंगे।

आरएसएस के लिए हिंदुत्व का क्या मतलब है, यह जानने से पहले यह जान लेना जरूरी है कि हिंदुत्व का शाब्दिक अर्थ क्या होता है। बाबू श्याम सुंदर दास द्वारा संपादित हिंदी शब्दसागर में हिंदुत्व का अर्थ खोजने पर इसका मतलब आता है- हिंदू का भाव या फिर हिंदूपन। लेकिन यह तो हुआ हिन्दुत्व का डिक्शनरी मीनिंग। अब हिंदुत्व अपने शाब्दिक अर्थ तक सीमित नहीं रह गया है। इसके राजनीतिक और सामाजिक मतलब भी हैं।

इतिहासकारों के मुताबिक हिंदुत्व शब्द का सबसे पहले इस्तेमाल बंगाली साहित्यकार ने किया था। उनका नाम था- चंद्रनाथ बसु। उन्होंने किताब लिखी थी- हिंदुत्व- हिंदूर प्राकृत इतिहास। 1892 में लिखी गई इस किताब ने कहा था कि मानवता के जरिए ही आप देवताओं तक पहुंच सकते हैं। बसु मानते थे कि जो हिंदू समाज है, असल में वही आध्यात्मिक चेतना पा सकता है। अब बसु ने हिंदुत्व की जो परिभाषा बताई थी, वो राजनीतिक नहीं थी, लेकिन आगे चलकर हिंदुत्व का राजनीतिकरण हुआ और इसके मायने भी बदलते गए।

जानकारों की माने तो वीर सावरकर ने सबसे पहले हिंदुत्व का सियासी मतलब बताया था। वे कहते हैं- मेरे लिए हिंदू वही शख्स है जिसकी पितृभूमि और पुण्यभूमि एक है। यहां भी सावरकर जब पुण्यभूमि की बात करते थे। उनका धार्मिक से ज्यादा सांस्कृतिक मतलब था। अब यहां तक चर्चा में आरएसएस नहीं आई थी, लेकिन फिर 1925 में डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने ऋस्स की स्थापना की और हिंदुत्व के मायने बदल गए।

वॉल्टर के एंडरसन की किताब में भी हेडगेवार की हिंदुत्व परिभाषा बताई गई है। हेडगेवार ने कहा था कि जो भी इस भारत भूमि में रहता है, वो हमारे लिए हिंदू है। हमारे लिए दूसरे धर्म के वो लोग भी हिंदू हैं जो हिंदू मान्यताओं को मानेंगे। हेडगेवार तो मानते थे कि भारत में हर कोई रह सकता है, लेकिन उन्हें इस बात का अहसास जरूर रहना चाहिए कि वे उस हिंदुस्तान में रह रहे हैं जो हिंदुओ का है।

आरएसएस की अगर वेबसाइट का भी हम रुख करेंगे वहां भी हिंदुत्व को लेकर हेडगेवार के विचार स्पष्ट होते हैं। ये भी पता चलता है कि संघ का असल उदेश्य है क्या। हेडगेवार का एक क्यूटे कहता है- हिंदुस्तान की रक्षा तभी हो सकती है जब हिंदू संस्कृति को बचाया जाएगा अगर हिंदू संस्कृति ही खत्म हो गई तो सिर्फ भौगोलिक इलाके को हिंदुस्तान बोलने का कोई मतलब नहीं।

अब हेडगेवार कहने को संघ के संस्थापक थे। उन्होंने भी हिंदुत्व का अपना मतलब समझाया। लेकिन फिर भी इस मामले में ज्यादा श्रेय एम एस गोलवलकर को दिया जाता है। गोलवोलकर ने कहा था कि सभी हिंदुओं को एक समान समझना चाहिए, सभी से प्यार करना चाहिए। हीन भावना कहीं नहीं होनी चाहिए।

गोलवलकर की विचारधारा के बारे में कुछ दूसरी किताबों से भी जानकारी मिलती है.उनकी एक किताब है- वी आर अवर नेशनहुड डिफांड इसमें हिंदुत्व को लेकर तो काफी स्पष्टता से बताया ही गया है। गोलवलकर ने राष्ट्रवाद को लेकर भी बड़ी बातें कही हैं। उनका मानना था कि खून का एक-एक कतरा देश के लिए समर्पित होना चाहिए। वे हिंदुत्व की बात तो करते थे, लेकिन ये भी कहते थे कि बात जब देश सेवा की आए तो जाति-धर्म बीच में नहीं आ सकते। अब आज का आरएसएस हिंदुत्व की बात तो करता है, लेकिन वो राष्ट्रवाद को साथ लेकर चलता है।

मोहन भागवत ने कई मौकों पर एक ऐसे हिंदुत्व की बात की है जहां पर सभी धर्मों को जगह दी गई, जहां पर विविधता पर जोर रहा। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि आरएसएस का एक ही उदेश्य है- वो पूरे हिंदू समाज को एकजुट करना चाहता है, हिंदू समाज ही जिम्मेदार समाज है, जो लोग इस बात को नहीं समझ पाए, वो अलग हो गए। उन्होंने अपना अलग देश बना लिया। अब अगर भावगत हिंदुओं को एकजुट करना चाहते हैं, उन्होंने ही खुलकर मुस्लिमों को साथ लाने की बात कही है। असल में मोहन भागवत के हिंदुत्व में मुस्लिमों को भी जगह दी गई है।

मोदी या ट्रंप... कौन रुकवायेगा रूस-यूक्रेन युद्ध?

इस साल के अंत में पुतिन भारत आने वाले हैं और उससे पहले जेलेंस्की भी भारत आ सकते हैं। यही नहीं, मोदी-पुतिन मुलाकात जल्द ही चीन में होने वाले एससीओ सम्मेलन में होगी तो दूसरी ओर सितंबर में न्यूयॉर्क में मोदी-जेलेंस्की मुलाकात होने की भी पूरी-पूरी संभावना है। साफ़ है कि कूटनीति के मौन गलियारों में भारत एक ऐसा ध्रुव बन चुका है, जिसके इर्द-गिर्द युद्धविराम की संभावनाएँ गढ़ी जा रही हैं। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी शैली के अनुरूप मीडिया के सामने रोज़ यह दावा करते हैं कि वह युद्ध समाप्त करवा सकते हैं।

(नीरज कुमार दुबे)

यह महज़ संयोग नहीं है कि पुतिन ने ट्रंप से मुलाकात के पहले और बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इसके तुरंत बाद जेलेंस्की ने भी मोदी से वार्ता की। इस साल के अंत में पुतिन भारत आने वाले हैं और उससे पहले मोदी-जेलेंस्की मुलाकात की भी संभावना है। युद्ध से थकी हुई यूरोप की राजनीति, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय तनाव यह संकेत दे रहे हैं कि अब रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की खोज बहुत जरूरी हो गयी है। इस बीच दो घटनाएँ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। पहली, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात और दूसरी, भारत-यूक्रेन तथा भारत-रूस के बीच ऊँचे स्तर का बढ़ता कूटनीतिक संवाद, जिसमें राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति जेलेंस्की की संभावित भारत यात्रा सबसे अहम है।

यह भी महज़ संयोग नहीं है कि पुतिन ने ट्रंप से मुलाकात के पहले और बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इसके तुरंत बाद जेलेंस्की ने भी मोदी से वार्ता की। इस साल के अंत में पुतिन भारत आने वाले हैं और उससे पहले जेलेंस्की भी भारत आ सकते हैं। यही नहीं, मोदी-पुतिन मुलाकात जल्द ही चीन में होने वाले एससीओ सम्मेलन में होगी तो दूसरी ओर सितंबर में न्यूयॉर्क में मोदी-जेलेंस्की मुलाकात होने की भी पूरी-पूरी संभावना है। साफ़ है कि कूटनीति के मौन गलियारों में भारत एक ऐसा ध्रुव बन चुका है, जिसके इर्द-गिर्द युद्धविराम की संभावनाएँ गढ़ी जा रही हैं। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी शैली के अनुरूप मीडिया के सामने रोज़ यह दावा करते हैं कि वह युद्ध समाप्त करवा सकते हैं। लेकिन उनका यह दृष्टिकोण ज़्यादातर चुनावी और जनमत-निर्माण की राजनीति से जुड़ा है। इसके विपरीत, नरेंद्र मोदी का रुख़ ज्यादा व्यावहारिक और संतुलित है। वह रूस और यूक्रेन,

दोनों से गहन संवाद बनाए हुए हैं और यह युद्ध का युग नहीं है की अपनी उद्घोषणा को अब ठोस प्रयासों से सार्थक बना रहे हैं। भारत की यह भूमिका ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है। हम आपको याद दिला दें कि शीतयुद्ध के दौर में भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन के जरिये वैश्विक तनाव को संतुलित करने का प्रयास किया था। आज, वही भूमिका भारत एक जिम्मेदार शक्ति की तरह निभा रहा है। पश्चिम को यह स्पष्ट हो रहा है कि ट्रंप की घोषणाओं से अधिक असरदार है मोदी की शांत डिप्लोमेसी, जो न तो शोर मचाती है और न ही श्रेय लेने की होड़ में रहती है। देखा जाये तो अंतरराष्ट्रीय राजनीति में असली कूटनीति अक्सर सुर्ख़ियों के पीछे घटित होती है। रूस और यूक्रेन दोनों के साथ समान स्तर पर संवाद बनाए रखने की भारत की क्षमता इस बात का प्रमाण है कि नई दिल्ली न केवल इस युद्ध के समाधान की कुंजी रखती है, बल्कि एक नई विश्व व्यवस्था के निर्माण में भी केंद्रीय भूमिका निभा सकती है। इसके अलावा, जहाँ ट्रंप युद्ध समाप्त करवाने के लिए कभी वार्ता तो कभी धमकी देने तथा कभी पेनल्टी के रूप में टैरिफ बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं वहीं मोदी चुपचाप रूस-यूक्रेन युद्ध के समापन की वास्तविक ज़मीन तैयार कर रहे हैं।

देखा जाये तो रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करवाने की दिशा में चल रहे प्रयासों को देख रही दुनिया के मन में इस समय यही सवाल है कि कौन-सा नेता निर्णायक भूमिका निभा सकता है– डोनाल्ड ट्रंप या नरेंद्र मोदी?

ट्रंप की भूमिका को देखें तो अमेरिका ऐतिहासिक रूप से यूक्रेन का सबसे बड़ा समर्थक रहा है। आर्थिक मदद, हथियार आपूर्ति और कूटनीतिक समर्थन तीनों ही स्तरों पर अमेरिका यूक्रेन की मदद कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद रूस से नज़दीकी साधने की कोशिश की, लेकिन अमेरिका की आंतरिक राजनीति और नाटो की सुरक्षा प्रतिबद्धताओं के कारण वह रूस और यूक्रेन के बीच निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभा पा रहे हैं। आज भी ट्रंप के प्रयास सीमित हैं क्योंकि अमेरिका का घोषित रुख रूस के प्रति शत्रुतापूर्ण है। इसके अलावा, नाटो की रणनीतिक अनिवार्यता ट्रंप को संतुलित मध्यस्थ नहीं रहने देती। इसके अलावा, पुतिन पर अमेरिकी प्रतिबंध और सैन्य दबाव किसी भी विश्वसनीय संवाद की संभावना को कमज़ोर करते हैं।

दूसरी ओर, भारत का रुख शुरुआत से ही अलग रहा है। मोदी ने न युद्ध का समर्थन किया, न किसी पक्ष का खुला विरोध किया। भारत ने बार-बार संवाद और कूटनीति की वकालत की है। इससे मोदी की स्थिति विशिष्ट बनती है। भारत-रूस की स्पेशन प्रीविलेज्ड स्ट्रेजी पार्टनरशिप दशकों पुरानी है। रक्षा, ऊर्जा और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग के कारण पुतिन मोदी की बातों को गंभीरता से लेते हैं। साथ ही मोदी ने ज़ेलेंस्की से भी निरंतर संपर्क बनाए रखा है। ज़ेलेंस्की की संभावित भारत यात्रा इस बात का प्रमाण है कि यूक्रेन भी भारत को भरोसेमंद मध्यस्थ मानता है। हम आपको यह भी बता दें कि भारत का जी-20 अध्यक्षता काल दिखा चुका है कि भारत पश्चिम और पूर्व, दोनों खेमों के बीच पुल का काम कर सकता है। भारत न तो नाटो का हिस्सा है, न रूस का विरोधी गुट। यही तटस्थता उसे सच्चा मध्यस्थ बनाती है। जहां तक यह सवाल है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने की दिशा में मोदी कैसे ट्रंप से अधिक अहम साबित हो सकते हैं? तो इसका जवाब यह है कि पुतिन ट्रंप को एक प्रतिद्वंद्वी राष्ट्र के नेता के रूप में देखते हैं, जबकि मोदी को रणनीतिक साझेदार और मित्र के रूप में देखते हैं। साथ ही ट्रंप केवल यूक्रेन या नाटो के दबाव में नहीं हैं, बल्कि अमेरिकी राजनीति से बंधे हैं। वहीं मोदी दोनों पक्षों से बिना पूर्वाग्रह बातचीत कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सांसदों की वेतन बढ़ोतरी के खिलाफ 20 हजार छात्रों का प्रदर्शन

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशियाई संसद सदस्यों के वेतन-भत्तों में बढ़ोतरी के खिलाफ राजधानी जकार्ता में इन दिनों हजारों छात्र सड़कों पर हैं, जिनकी तादाद करीब 20 हजार है। प्रदर्शनरत छात्र संसद भवन तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। ऐसे में पुलिस ने पानी की बौछार की और कई राउंड आंसू गैस के गोले दागे। इससे कई छात्र घायल हो गए।

ब्राजील में आपराधिक नेटवर्क से जुटी 22 करोड़ अमेरिकी डॉलर की संपत्ति जब्त

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को देशभर में चलाए गए एक बड़े अभियान के तहत 1.2 अरब रियाल (करीब 22 करोड़ अमेरिकी डॉलर) की संपत्ति जब्त की है। यह कार्रवाई ईंधन क्षेत्र और निवेश फंड्स के जरिये चलाए जा रहे एक विशाल मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क से जुड़ी हुई थी। अधिकारियों ने 14 जगहों पर तलाशी और जब्ती वारंट तथा 14 गिरफ्तारी वारंट जारी किए, जिनमें से पांच लोगों को हिरासत में लिया गया। न्याय मंत्री रिकार्डो लेवानडोव्स्की ने इसे देश के इतिहास में संगठित अपराध के खिलाफ सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक बताया। हालांकि, संघीय अधिकारियों ने किसी भी व्यक्ति या कंपनी का नाम नहीं बताया, क्योंकि जांच अभी गुप्त और जारी है। लेकिन साओ पाउलो के अभियोजकों ने कहा कि यह नेटवर्क ब्राजील के कुख्यात आपराधिक गिरोह फर्स्ट कैपिटल कमांड से जुड़ा हुआ है।

म्यांमार में केएनयू आतंकवादी संगठन घोषित

नाएप्यीडॉ, एजेंसी। म्यांमार की सैन्य सरकार ने बृहस्पतिवार को आधिकारिक तौर पर करेन नेशनल यूनियन (केएनयू) को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया। यह संगठन देश का एक बड़ा जातीय विद्रोही समूह है। अब इसके साथ किसी भी तरह की गतिविधि करना, यहां तक कि तीसरे पक्ष द्वारा संपर्क करना भी गैरकानूनी होगा। करेन नेशनल यूनियन देश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में सक्रिय है और 1948 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता मिलने के बाद से लगातार अधिक स्वायत्तता के लिए लड़ाई लड़ रहा है। फरवरी 2021 में आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार को अपदस्थ कर सेना ने सत्ता अपने हाथ में ले ली थी। तभी से केएनयू और सेना के बीच लगातार और तीखी लड़ाई हो रही है। यह घोषणा ऐसे समय आई है, जब महज चार महीने बाद 28 दिसंबर से सेना-नियोजित चुनाव होने हैं। केएनयू पहले ही एलान कर चुका है कि वह इन चुनावों को बाधित करेगा। अब आतंकवादी घोषित किए जाने के बाद इसके लिए किसी भी तरह की गतिविधि करना, चाहे वह सिर्फ प्रचार या जानकारी फैलाने का शांतिपूर्ण तरीका ही क्यों न हो, गैरकानूनी हो गया है।

ट्रंप प्रशासन ने सैन्य अड्डे से आव्रजन अभियान में मदद मांगी

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने इस हफ्ते शिकागो के बाहर स्थित एक सैन्य अड्डे से आव्रजन अभियान में सहयोग मांगा है। यह कदम इस बात का संकेत देता है कि देश के तीसरे सबसे बड़े शहर में कड़ी कार्रवाई कैसी दिख सकती है। नेवल स्टेशन ग्रेट लेक्स के प्रवक्ता मैट मोगल ने बुधवार को बताया कि होमलैंड सुरक्षा विभाग ने बेस से सीमित सहयोग की मांग की है, जिसमें सुविधाएं, ढांचा और अन्य लॉजिस्टिक मदद शामिल है। यह अड्डा शिकागो से करीब 56 किलोमीटर (35 मील) उत्तर में स्थित है। यह अनुरोध उस समय आया है, जब रिपब्लिकन प्रशासन ने कुछ हफ्ते पहले वाशिंगटन डीसी में अपराध, इमिग्रेशन और बेघर लोगों की समस्या से निपटने के लिए नेशनल गार्ड की तैनाती की थी। दो महीने पहले इसी तरह सैनिकों को लॉस एंजिलिस भेजा गया था। हालांकि शिकागो के लिए प्रशासन की योजनाओं के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन शहर के नेता कई संभावनाओं के लिए तैयार हो रहे हैं- जैसे सैनिकों को इमिग्रेशन गिरफ्तारी में लगाना या फिर सड़कों पर गश्त कराना आदि। पुलिस अधीक्षक लैरी स्नेलिंग ने कहा, हम नहीं चाहते कि किसी तरह का डर फैलाया जाए।

रूस ने यूक्रेन पर दागीं 31 मिसाइलें और 598 ड्रोन

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने पूरे देश में 598 ड्रोन और विभिन्न प्रकार की 31 मिसाइलें दागीं। कीव शहर प्रशासन के प्रमुख तैमूर त्काचेंको ने बताया कि मृतकों में तीन नाबालिग शामिल हैं। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि बचाव दल मलबे में दबे लोगों को निकालने का प्रयास कर रहा है। त्काचेंको ने कहा कि रूस ने वायु रक्षा प्रणाली को चकमा देने में सक्षम ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं।

हमले पर दुनियाभर के लोगों से प्रतिक्रिया की उम्मीद-जेलेंस्की : यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, रूस बातचीत की मेज के बजाय बैलिस्टिक हथियारों को चुनता है। हम दुनिया के उन सभी लोगों से प्रतिक्रिया की उम्मीद करते हैं जिन्होंने शांति की अपील की थी, लेकिन सैद्धांतिक रुख अपनाने के बजाय अक्सर चुप रहते हैं।

दो मीडिया संस्थानों के कार्यालय पर भी हमले : कीव में यूरोपीय संघ मिशन, एक ब्रिटिश सरकार के सांस्कृतिक भवन के साथ-साथ दो मीडिया संस्थानों के कार्यालय भी रूसी हमले में क्षतिग्रस्त हो गए हैं। रूस की इस हरकत पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। एएफपी के पत्रकारों ने बचावकर्मियों को रिहायशी इलाकों और अपार्टमेंट ब्लॉक से कई मृतकों के शरीर को बैग में भरकर ले जाते देखा, जब वे सुलगते मलबे में खोजबीन अभियान चला रहे थे।

चारों ओर उड़ रहे थे कांच : एक हमले के पास पार्किंग में मौजूद गैलिना शचरबक ने एएफपी को बताया, हमले के बाद चारों ओर काँच उड़ रहे थे... बम फटने पर हम चीख रहे थे। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि मॉस्को ने 629 ड्रोन और मिसाइलें दागीं। कीव द्वारा उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार, यह युद्ध का दूसरा सबसे बड़ा हमला है।

563 ड्रोन और 26 मिसाइलें रोकने का दावा : यूक्रेन की वायुसेना ने एक बयान में कहा कि रूस ने रात भर में 598 लड़ाकू और जासूसी ड्रोन भेजे और 31 मिसाइलें भी दागी। यूक्रेनी एयर डिफेंस ने इनमें से 563 ड्रोन और 26 मिसाइलों को रोक लिया। ये 13 स्थानों पर जमीन से टकराईं और 26 स्थानों पर इनका मलबा गिरा। कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको के अनुसार, मारे गए लोगों में 17 और 14 साल के दो बच्चे भी शामिल हैं।

किंजल हाइपरसोनिक एरोबैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि रूस ने हमारे शहरों और समुदायों के खिलाफ एक और बड़ा हमला किया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने भी इसकी पुष्टि की है और कहा है कि रूसी सेना ने यूक्रेन के सैन्य-औद्योगिक उद्यमों और हवाई अड्डों पर जोरदार हमले को अंजाम दिया है। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, इस हमले में लंबी दूरी से सटीक निशाना लगाने वाले हवाई हथियार, किंजल हाइपरसोनिक एरोबैलिस्टिक मिसाइलें और लड़ाकू ड्रोन शामिल थे। मंत्रालय ने कहा, हमलावर अभियान सफल रहा और इसने अपने लक्ष्यों को हासिल किया।

ट्रंप की मुहिम को झटका : यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि रूसी मिसाइलों और ड्रोनों ने राजधानी कीव में अपार्टमेंट ब्लॉकों को तहस-नहस कर दिया, जिसमें चार बच्चों सहित कम से कम 23 लोग मारे गए। ये हमले ऐसे वक्त पर हुए हैं, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीजफायर से लेकर शांति समझौते तक की बातचीत की कोशिशों में जुटे हैं। इससे पहले अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि ऐसे हमले शांति प्रयासों को कमजोर कर सकते हैं।

सीमा से जुड़े भूमि बंदरगाहों को बंद करने पर आया बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने गुरुवार को जनता का पैसा बचाने के नाम पर तीन भूमि बंदरगाहों को बंद करने का फैसला लिया है। इसके अलावा एक और बंदरगाह, जिसका निर्माण कार्य चल रहा था उसे भी रोक दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन बंदरगाहों पर कोई भी व्यापारिक गतिविधि नहीं हो रही थी, इसलिए खर्च में कटौती करने के लिए और करदाताओं पर से बोझ कम करने के लिए इन्हें बंद करने का फैसला लिया गया है। गौरतलब है कि यह भूमि बंदरगाह भारत की सीमा पर स्थित हैं। मई और जून में भारत ने बांग्लादेश को दी जाने वाली ट्रांस शिपमेंट सेवा को निरस्त कर दिया था और व्यापार के लिए केवल कोलकाता और मुंबई के बंदरगाह का इस्तेमाल करने के लिए कहा था।

यूनुस सरकार के मुख्य प्रेस सलाहकार शफीकुल आलम ने कहा कि बंदरगाहों को बंद करने का यह निर्णय प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में लिया गया।

बंद किए जाने वाले बंदरगाहों में नीलफामारी में चिलाहाटी बंदरगाह शामिल है, जो कि पश्चिम बंगाल के हल्दीबाड़ी से जुडा हुआ है। इसके अलावा चुआडांगा में दौलतगंज भूमि बंदरगाह है, जो पश्चिम बंगाल के मझदिया से जुडा है। इसके अलावा रंगमती में तेगामुख भूमि बंदरगाह है जो मिजोरम के देमागरी से जुड़ा हुआ है।

बांग्लादेश सरकार के मुताबिक इसके अलावा त्रिपुरा के खोवाई से जुड़े हबीगंज में बल्ला भूमि बंदरगाह पर का भी संचालन बंद कर दिया गया है। इस बंदरगाह पर अभी भारत की तरफ से काम पूरा नहीं किया गया है। आलम ने कहा, सीमावर्ती क्षेत्रों के राजनेता कभी-कबी राजनीतिक कारणों से इन बंदरगाहों को खोलने और संचालित करने का दबाव डालते हैं लेकिन वास्तव में इन सुविधाओं के माध्यम से कोई व्यापार नहीं हुआ है और इनसे सरकार की लागत बढ़ रही है। गौरतलब है कि यह चाल भूमि बंदरगाह उन आठ बंदरगाहों में शामिल हैं, जिन्हें बांग्लादेश ने निष्क्रिय घोषित कर दिया है।

आपको बता दें बांग्लादेश की तरफ से जिन भूमि बंदरगाहों को बंद करने का ऐलान किया गया है। वहां से मुख्य रूप से भारत के साथ व्यापार करने की उम्मीद थी। चूकि भारत ने मई और जून में बांग्लादेश को मिलने वाली ट्रांस शिपमेंट फैसेलिटी पर प्रतिबंध लगा दिया तो ऐसी स्थिति में इन बंदरगाहों के लिए स्थिति और विकट हो गई।

मैक्सिको की सीनेट में विपक्षी नेता-सीनेट अध्यक्ष में हाथापाई, मोरेनो बोले- मैं तुझे मार डालूंगा

मैक्सिको सिटी , एजेंसी। मैक्सिको की सीनेट में बुधवार को उस वक्त हंगामा मच गया, जब एक जोरदार बहस के बाद विपक्षी नेता ने सीनेट अध्यक्ष को पकड़कर धक्का-मुक्की शुरू कर दी। यह सब उस वक्त हुआ, जब सीनेट की कार्यवाही खत्म होने के बाद सांसद राष्ट्रगान गा रहे थे। यह नजारा इतना हैरान करने वाला था कि लाइव स्ट्रीम में पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे सीनेट में कुर्सियां छोड़कर मुक्के चलने लगे।

विपक्षी इंस्टीट्यूशनल रिवॉल्यूशनरी पार्टी (पीआरआई) के नेता अलेजांद्रो अलिटो मोरेनो ने सत्तारूढ़ मोरेना पार्टी के सीनेट अध्यक्ष गेरार्डो फर्नांडीज नोरोना पर हमला बोल दिया। मोरेनो बार-बार कह रहे थे, मुझे बोलने दो और उन्होंने नोरोना का हाथ पकड़ लिया। नोरोना ने जवाब में कहा, मुझे छूना मत, लेकिन बात यहीं नहीं रुकी। दोनों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। हंगामा एक चर्चा के बाद शुरू हुआ। इसमें मैक्सिको में विदेशी सशस्त्र बलों की मौजूदगी पर तीखी चर्चा हुई थी। नोरोना के मुताबिक, मोरेनो ने कहा, मैं तुझे मार डालूंगा। इस दौरान एक और सांसद ने भी नोरोना पर मुक्का चलाने की कोशिश की।

अगर कोई भयानक त्रासदी घटित होती है, तो वह राष्ट्रपति पद संभालने के लिए तैयार हूं- उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों अपने फैसलों की वजह से दुनिया भर के देशों की सुर्खियों में बने हुए हैं। ऐसे में उनके पद पर रहने या न रहने को लेकर भी दुनिया बड़े गौर से देख रही है। उनकी सेहत को लेकर भी तमाम तरह की अटकलें लगाई जाती रहती हैं। हालांकि वाइट हाउस और ट्रंप परिवार की तरफ से उनकी सेहत को बिल्कुल सही बताया जाता है। इस सब के बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक इंटरव्यू में कहा है कि अगर कोई भयानक त्रासदी घटित होती है, तो वह राष्ट्रपति पद संभालने के लिए तैयार हैं। हालांकि उन्होंने इस बात को भी दोहराया कि ट्रंप का स्वास्थ्य बेहतर है।

यूएस टुडे को दिए इंटरव्यू में जेडी वेंस ट्रंप के स्वास्थ्य और अपने राष्ट्रपति पद को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति अच्छी स्थिति में हैं, वह अपना शेष कार्यकाल पूरा करेंगे और अमेरिका को महान बनाने के अपने काम में लगे रहेंगे।

जेडी ने आगे कहा, भगवान न करे, कोई ऐसी भयानक घटना होती है, तो मैं पिछले 200 दिनों से ट्रंप के अंडर ट्रेनिंग ले रहा हूं, तो मैं राष्ट्रपति पद संभालने के लिए भी तैयार हूं।

गौरतलब है कि वेंस की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब बार-बार ट्रंप के स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

हाल ही में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ मुलाकात के दौरान ट्रंप के हाथ पर चोट के निशान देखे गए थे। हालंकि वाइट हाउस से जब इस चोट के बारे में जानकारी मांगी गई, तो उन्होंने बताया कि बार-बार हाथ मिलाने और एस्पिरिन का इस्तेमाल करने की वजह से यह चोट लगी है।

गाजा में भूख से मर रहे महिलाएं और बच्चे- सिंडी मैक्केन

गाजा , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसी की प्रमुख ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस हफ्ते गाजा दौरे के दौरान यह साफ दिखा कि वहां खाने-पीने की चीजें पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर उन्होंने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात की और ज्यादा मानवीय मदद पहुंचाने की तात्कालिक जरूरत पर जोर दिया। दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य संकट निगरानी संस्था ने पिछले हफ्ते कहा था कि गाजा पट्टी का सबसे बड़ा शहर भुखमरी की चपेट में है और अगर युद्धविराम तथा राहत सामग्री पर लगी रोक नहीं हटाई गई, तो यह पूरे इलाके में फैल सकती है। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) की कार्यकारी निदेशक सिंडी मैक्केन ने कहा कि गाजा में भुखमरी जारी है। उन्होंने कहा, मैंने खुद गाजा में माताओं और बच्चों से मुलाकात की जो भूख से मर रहे हैं। यह सच्चाई है और यह अभी हो रहा है। मैक्केन ने बताया कि पीएम नेतन्याहू स्पष्ट तौर पर चिंतित थे कि लोगों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल रहा।

अमेरिकी राजनयिक ने लेबनानी पत्रकारों से मांगी माफी, संवाददाता सम्मेलन में की थी अपमानजनक टिप्पणी

बेरूत, एजेंसी। अमेरिकी राजनयिक टॉम बैरक ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को लेबनानी पत्रकारों से माफी मांगी। उन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों को चुप कराने की कोशिश करते हुए उनकी तुलना जानवरों से की थी।

तुर्किये में अमेरिकी राजदूत और सीरिया में अमेरिकी दूत बैरक, जो लेबनान में एक अस्थायी कार्यभार भी संभाल रहे हैं, ने कहा कि उनका इरादा अपमानजनक तरीके से इस शब्द का इस्तेमाल करने का नहीं था। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि उनकी टिप्पणी अनुचित थी।

बीते मंगलवार को बेरूत पहुंचे थे बैरक

दरअसल, बीते मंगलवार को बैरक अमेरिकी अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बेरूत पहुंचे थे।

यहां उन्होंने लेबनानी सरकार से आतंकवादी समूह हिजबुल्ला को निशस्त्र करने और इस्राइल-हिजबुल्ला युद्ध के बाद हुए संघर्षविराम समझौते के क्रियान्वयन पर चर्चा की।

पत्रकारों ने बैरक को मंच पर आने के लिए कहा था

राष्ट्रपति भवन में संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत में पत्रकारों ने बैरक से चिल्लाकर कहा कि वह मंच पर आएं, क्योंकि बैरक ने कमरे में किसी दूसरी जगह से बोलना शुरू किया था। जैसे ही बैरक मंच पर पहुंचे, उन्होंने पत्रकारों से कहा, सभ्य, दयालु और सहनशील बनें। उन्होंने धमकी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ, तो वह सम्मेलन बीच में ही खत्म कर देंगे। बैरक ने कहा, जिस क्षण यह अराजकता, पशुवत होने लगेगी, हम यहां से चले जाएंगे।

राष्ट्रपति भवन ने भी बैरक की टिप्पणी पर जताया खेद

बैरक की इस टिप्पणी का भारी विरोध हुआ। लेबनान प्रेस संगठन ने माफी की मांग की और कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो बैरक के कार्यक्रमों का बहिष्कार किया जाएगा। राष्ट्रपति भवन ने भी एक बयान जारी कर बैरक की टिप्पणी पर खेद जताया और पत्रकारों की कड़ी मेहनत की सराहना की।

मुझे खुद और ज्यादा सहनशील होना चाहिए था

बैरक ने एक्स प्लेटफॉर्म पर मीडिया कर्मी मारियो नवाफल के साथ साक्षात्कार में कहा कि पशुवत शब्द मैंने अपमानजनक रूप से नहीं कहा था, मैं सिर्फ कहना चाहता था कि माहौल शांत हो, सहनशीलता और दयालुता हो, सब सभ्य बनें। लेकिन मीडिया तो अपना काम कर रहा था, ऐसे में यह कहना अनुचित था। उन्होंने आगे कहा, मुझे खुद और ज्यादा सहनशील होना चाहिए था और पत्रकारों को समय देना चाहिए था।

ईशनिंदा आरोप का सामना कर रही कैंसर पीड़ित महिला की जमानत खारिज, विवादित तस्वीर पोस्ट करने का मामला

रबात, एजेंसी। मोरक्को की एक अदालत ने नारीवादी कार्यकर्ता इब्तिसाम लचगर की जमानत याचिका खारिज कर दी है। लचगर पर ईशनिंदा करने के आरोप हैं। गौरतलब है कि लचगर कैंसर की समस्या से जूझ रही हैं और सितंबर में उनकी सर्जरी होनी है। इसके बावजूद मोरक्को की अदालत ने नारीवादी कार्यकर्ता को जमानत पर रिहा करने से इनकार कर दिया। इब्तिसाम लचगर का मामला इन दिनों मोरक्को समेत पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है।

इब्तिसाम लचगर के वकील ने बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान उन्हें स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर रिहा करने की मांग की थी, लेकिन राजधानी रबात की अदालत ने अपील ठुकरा दी और लचगर को रिहा करने से इनकार कर दिया। लचगर पर एक विवादित टिप्पणी वाली टीशर्ट पहनकर अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का आरोप है। मोरक्को में राजशाही और इस्लाम का अपमान करने की सख्त मनाही और इसे लेकर वहां लंबे समय से कठोर कानून हैं।

लचगर की वकील नईमा एलगुलाफ ने बताया कि लचगर कैंसर से जूझ रही हैं और जेल में उन्हें जरूरी देखभाल नहीं मिल पा रही है। वकील ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि लचगर की सितंबर में सर्जरी होनी है। सर्जरी में तय किया जाना है कि क्या लचगर अभी भी अपने कृत्रिम हाथ के साथ जी सकती हैं या फिर उसे हटाना पड़ेगा। जेल में लचगर की हालत लगातार बिगड़ रही है। लचगर इस्लाम धर्म के खिलाफ काफी मुखर रही हैं और कई बार विवादों में फंस चुकी हैं।

फ्लोरिडा के करदाताओं को 218 मिलियन डॉलर के नुकसान की आशंका, एलीगेटर अलकाट्राज को बंद करने का आदेश

ऑरलैंडो, एजेंसी। फ्लोरिडा के करदाताओं को 218 मिलियन डॉलर का भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है, क्योंकि बुधवार (स्थानीय समयानुसार) देर रात एक जज ने एलीगेटर अल्काट्राज के संचालन को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का आदेश देते हुए अपने फैसले को बरकरार रखा। यह राज्य के एवरग्लेड्स में स्थित है और इसे हवाई प्रशिक्षण अड्डे से इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर में बदला गया था। इस केंद्र को एलीगेटर अल्काट्राज नाम दिया गया था। अब यह केंद्र जल्द ही पूरी तरह से खाली हो सकता है।

राज्य द्वारा अदालत में दायर दस्तावेजों के अनुसार, फिलहाल इस केंद्र को बंद करने में ही फ्लोरिडा को 15 से 20 मिलियन डॉलर का खर्च आएगा। अगर इसे दोबारा चालू करने की अनुमति मिली तो फिर से संरचनाओं को स्थापित करने पर 15 से 20 मिलियन डॉलर और खर्च होंगे। एक राज्य अधिकारी ने अदालती दस्तावेजों में कहा कि फ्लोरिडा आपातकालीन प्रबंधन विभाग को 218 मिलियन डॉलर का अधिकांश निवेश खोना पड़ेगा। सिर्फ कुछ ही दिनों में बने इस केंद्र में बड़े सफेद टेंटों के चारों तरफ जंजीरों से बंधे पिंजरे हैं, जिनके चारों ओर चारपाई बिस्तरों की कतारें लगी हुई हैं।

इस केंद्र के निर्माण-संचालन के लिए दिए गए हैं 405 मिलियन डॉलर के ठेके : एपी के हवाले से आई पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लोरिडा ने इस सुविधा के निर्माण और संचालन के लिए कम से कम 405 मिलियन डॉलर के ठेके दिए हैं। अधिकारियों ने शुरू में अनुमान लगाया था कि इसे चलाने में हर साल 450 मिलियन डॉलर लगेंगे। जुलाई के अंत तक ही राज्य 245 मिलियन डॉलर इस केंद्र पर खर्च कर चुका था। यह सुविधा 1 जुलाई से शुरू हुई थी। पिछले महीने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस केंद्र का दौरा किया था और कहा था कि यह पूरे देश में भविष्य के हिरासत केंद्रों का मॉडल हो सकता है।

कई कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहा केंद्र : लेकिन शुरुआत से ही यहां गंदगी, अस्वच्छ हालात और बंदियों को कानूनी मदद से वंचित रखने जैसी शिकायतें आती रही हैं। यह केंद्र कई कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहा है। बुधवार को अमेरिकी जिला न्यायाधीश कैथलीन विलियम्स ने अपना आदेश दोहराया कि केंद्र को बंद किया जाए, क्योंकि राज्य और संघीय एजेंसियों ने इस क्षेत्र की संवेदनशील आर्द्रभूमि में डिटेंशन सेंटर बनाने से पहले जरूरी पर्यावरण समीक्षा नहीं की। जज ने संचालन बंद करने के अपने आदेश को स्थगित करने के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया।

होमलैंड सुरक्षा विभाग ने कहा आदेश से बाधित होंगी योजनाएं : मियामी के न्यायाधीश ने कहा कि यहां बंदियों की संख्या पहले ही घट रही है और इससे संघीय सरकार के आव्रजन प्रवर्तन लक्ष्यों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, होमलैंड सुरक्षा विभाग के वकीलों का कहना है कि आदेश से उनकी योजनाएं बाधित होंगी। विभाग ने सिर्फ इतना कहा कि वह अदालत के आदेश का पालन कर रहा है और बंदियों को अन्य केंद्रों में शिफ्ट किया जा रहा है। हालांकि होमलैंड सुरक्षा विभाग ने यह नहीं बताया कि पिछले हफ्ते जज के अस्थायी निषेधाज्ञा के बाद से कितने बंदी बचे हैं और कितने बाहर निकाले गए हैं।

किरन्दुल में सेवा दे रहीं सर्वसुविधायुक्त एम्बुलेंस में दवाओं की कमी, लोगों को नहीं मिल रहा उचित उपचार

किरंदुल। छत्तीसगढ़ प्रदेश के शहरी क्षेत्रों की स्लम बस्तियों में निवासरत लोगों को घर पहुंच स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना मोबाइल मेडिकल यूनिट यानि सर्वसुविधायुक्त एम्बुलेंस के माध्यम से किरन्दुल में भी बस्तियों एवं अन्य जरूरत मंद लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवायें उपलब्ध कराया जाता है।लेकिन इन दिनों सर्वसुविधायुक्त एम्बुलेंस में ईलाज कराने पहुंचें लोगों को सही उपचार व आवश्यक दवाइयां नहीं मिल पा रहीं हैं। बता दें रविवार दोपहर 12 बजे बीआईओपी स्कूल के पास सेवा दे रहीं सर्वसुविधायुक्त एबुलेंस में कई लोग ईलाज के लिए पहुंचें थें। लेकिन इस दौरान उन्हें बहुत सी दवाइयों की आवश्यक खुराक नहीं मिल पाई, दवा की कमी को लेकर लोगों में निराशा व नाराज़गी दोनों देखी गई। लोगों ने विभाग को इस संदर्भ में आवश्यक क़दम उठाने की मांग की। जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा ने बताया कि इस संदर्भ में संज्ञान लिया जाएगा एवं जल्द ही आवश्यक दवाइयां उपलब्ध करवाई जाएगी। इस विषय में किरन्दुल मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने बताया कि अभी मैं शासकीय कार्यो से बाहर हूं, अवश्य इस विषय में चर्चा कर जो भी कमी है उसे पूरी की जाएगी।

तीन दिनों के भीतर दो शिक्षा दूतों की हत्या सुंदरराज ने दी नक्सलियों को चेतावनी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को खत्म कर देने की एक तारीख का ऐलान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की ओर से दिया गया है। पिछले डेढ़ दो साल में पुलिस के सफल मुठभेड़ों, आत्म समर्पण और नक्सलियों की गिरफ्तारियों को देखें तो, केंद्रीय गृहमंत्री के बयान पर भरोसा भी होता है। पर पिछले तीन दिनों के भीतर दो शिक्षा दूतों की हत्या के बाद नक्सलियों का दहशत छाया हुआ है। पहले शिक्षा दूत की हत्या सुकमा जिले में की गई है। दूसरे शिक्षा दूत की हत्या बीजापुर जिले में की गई है। सुकमा जिले की पुलिस ने एक मीम जारी करके फिर से नक्सलियों को आईना दिखाने की कोशिश की गई है। शाम बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक पी सुंदरराज ने 9 बिंदुओं में नक्सलियों को आईना दिखाया और चेतावनी भी दी। पुलिस ने एक प्रेस नोट जारी करके बताया कि बस्तर पुलिस क्षेत्र में बच्चों को पढ़ाने के लिए निःस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे युवा शिक्षादूतों की निर्मम और कायराना हत्या की कड़े शब्दों में निंदा करती है। समाज के उत्थान और भविष्य के लिए कार्य कर रहे लोगों को जानबूझकर निशाना बनाने वाले ऐसे अमानवीय कृत्य किसी भी स्थिति में अस्वीकार्य हैं और बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। निर्दोष नागरिकों और युवा शिक्षादूतों को पुलिस मुखबिर बताना महज़ माओवादियों का एक कायराना प्रयास है, जिसका उद्देश्य केवल स्थानीय जनता को डराना और अपने कैडरों का मनोबल बढ़ाना है, जो हाल के समय में लगातार झटकों के कारण पहले ही पूरी तरह गिर चुका है। इस तरह की कायराना हरकतें माओवादी ताकत का संकेत नहीं, बल्कि उनकी कमजोरी और हताशा का स्पष्ट प्रमाण हैं।

यदि किसी भी स्थिति में ऐसे बेमतलब और हिंसक कृत्यों को माओवादी शीर्ष नेतृत्व, केंद्रीय समिति/पॉलिट ब्यूरो की मंजूरी प्राप्त है, तो यह निश्चित रूप से उनके ताबूत में अंतिम कील साबित होगा। वहीं यदि ये हत्याएँ स्थानीय स्तर के कैडरों द्वारा की जा रही हैं, तो यह केवल इस सच्चाई की पुष्टि है कि माओवादी संगठन पूरी तरह से दिशाहीन और नेता विहीन हो चुका है। माओवादियों ने शिक्षादूतों की हत्या की इन हमलों का उद्देश्य स्पष्ट है- माओवादी स्थानीय जनता, विशेषकर बच्चों, को शिक्षा से वंचित करना चाहते हैं। उन्हें डर है कि एक शिक्षित और जागरूक समाज उनकी पुरानी, अमानवीय, विकास विरोधी और क्रूर विचारधारा को अस्वीकार कर देगा। प्रतिबंधित और अवैध माओवादी संगठन के कैडरों और उनके नेतृत्व को कड़ी चेतावनी देते हुए सुन्दरराज पट्टलिंगम, पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज ने कहा- निर्दोष नागरिकों और शिक्षा के लिए समर्पित शिक्षादूतों की हत्या एक अक्षम्य अपराध है। बस्तर पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि इन जघन्य कृत्यों के दोषियों की पहचान की जाए, उनका पीछा किया जाए और उन्हें कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। जो भी लोग इस प्रकार की हिंसा में शामिल रहेंगे, उन्हें सुरक्षा बलों की निर्णायक और लगातार कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। ता की आकांक्षाओं के अनुरूप प्रतिबंधित और अवैध माओवादी संगठनों के विरुद्ध निर्णायक और सर्वांगीण कार्रवाई की जाएगी।

जिला पंचायत नारायणपुर के सामान्य सभा की बैठक संपन्न

नारायणपुर। जिला पंचायत सभाकक्ष में सामान्य सभा की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इसमें विभिन्न विभागों जैसे कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, लोक निर्माण विभाग आदि के कार्यों पर चर्चा की, जिले के विकास संबंधी कार्यों की समीक्षा की और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकांक्षा शिक्षा खलखो, जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रताप सिंह मंडावी, जिला पंचायत सदस्य संतनाथ उसेण्डी, राकेश उसेंडी हीना नाग, सुखयारी सलाम, शांति नेताम, लता कोर्राम, प्रमिका कचलाम, गुड्डू उसेण्डी, कमलेश्वरी नाग और समस्त विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

केरल ने राजस्थान को हराया, फाइनल में बनायी जगह

नारायणपुर। नारायणपुर स्थित रामकृष्ण मिशन आश्रम नारायणपुर के फुटबॉल ग्राउंड में जारी सब जूनियर गर्ल्स नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप 2025-26 के टायर-2 के दूसरे सेमीफाइनल में केरल ने राजस्थान को 8-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन एवं रामकृष्ण मिशन के संयुक्त तत्वावधान में 16 अगस्त से शुरू हुई इस प्रतियोगिता में देशभर से 14 टीमों ने हिस्सा लिया है। रविवार सुबह आठ बजे खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में केरल ने शानदार प्रदर्शन किया। केरल की खिलाड़ी अर्पिता ने हैट्रिक गोल कर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। मैच का टॉस भी केरल ने जीता था। जीत के बाद टीम के कोच डॉ. जेम शॉट ने कहा कि खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया और आयोजन स्थल की व्यवस्थाएं सराहनीय हैं।

मेन मार्केट में नवयुवा गणेश पूजा समिति द्वारा किया जा रहा हैं गणेशोत्सव का आयोजन

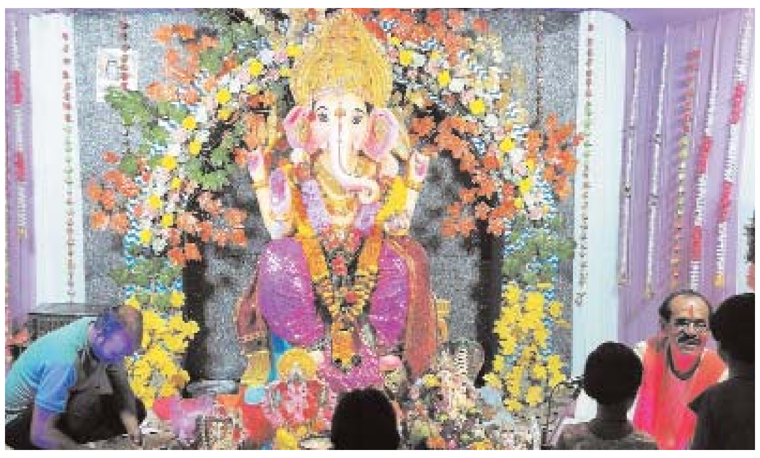

किरंदुल। किरन्दुल के वार्ड क्रमांक 08 मेन मार्केट नवयुवा गणेश समिति द्वारा 16 वां वर्ष गणेशोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। बता दें समिति द्वारा भव्य पंडाल बनाकर भगवान गणेश जी की आकर्षक प्रतिमा स्थापित की गई है। बता दें 11 दिनों तक बड़े हर्षोल्लास के साथ पूजा पाठ एवम विभिन्न प्रतियोगिताओं आयोजित की जा रहीं हैं। साथ ही रविवार नगरवासियों के सुख शांति व स्वास्थ्य की मंगल कामना के साथ भगवान गणेश जी की विधि विधान से विशेष पूजा अर्चना एवं आरती की गई।

किरंदुल व्यापारी कल्याण संघ का होगा 15 सितंबर को चुनाव, बैठक में लिया गया निर्णय

किरंदुल। लौहनगरी किरंदुल में किरंदुल व्यापारी कल्याण संघ की तरफ से शनिवार अंबेडकर भवन में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सैकड़ों की संख्या में व्यापारियों ने भाग लिया। व्यापारियों ने सर्वसम्मति से चुनाव कराने के लिए अपनी सहमति दी। इस बैठक को लेकर किरंदुल के व्यापारियों में उत्साह था और इतने सालों बाद इतनी अधिक मात्रा में किरंदुल के कोने-कोने से छोटे-बड़े सभी प्रकार के व्यापारी बैठक में उपस्थित हुए जो पूरे शहर में कौतूहल का विषय था। इस बैठक में चुनाव संचालन कमेटी का गठन भी किया गया। कमेटी में बंटी अरोड़ा, जयदीप माकन, बिप्लव मल्लिक, केदार सोनी, आर सी नाहक, आजाद सक्सेना, शैलेंद्र सिंह, विजय सोढ़ी, तपन दास को रखा गया है। इन सभी सदस्यों को चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई चुनाव 15 सितंबर को करवाने की सहमति बनीं।

दंतेवाड़ा और नारायणपुर को जोड़ने वाला पुल खंडहर बना

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा के जिलाधीश कुणाल दुदावत ने मांडर पुल के पास आकर पुल की बदहाली को देखा। इस पुल के बह जाने से नारायणपुर और दंतेवाड़ा का सड़क संपर्क टूट गया है। सोमवार से लेकर मंगलवार तक हुई मूसलाधार बारिश ने सबसे ज्यादा दंतेवाड़ा को ही प्रभावित किया है। दक्षिण बस्तर के दंतेवाड़ा जिले में शंखनी, डंकनी और इंद्रावती नदी ये तीन नदियां बहती हैं। तीन नदियों के पानी ने मिलकर भारी तबाही मचाई है। जिलाधीश कुणाल दुदावत ने वार्ता को बताया कि इंफ्रास्ट्रक्चर को हुए नुकसान का आंकलन करवाया जा रहा है। और बहुत जल्दी ही इंफ्रास्ट्रक्चर ठीक कर लिए जाएं इसकी कोशिशें की जा रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जापान प्रवास के दौरान बस्तर संभाग के आयुक्त से बात करके बस्तर में आई बाढ़ का जायजा लिया था।

डीएवी किरंदुल में विद्यालय कैबिनेट का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

किरंदुल। डीएवी पब्लिक स्कूल किरंदुल में इन्वेस्टीचर सेरेमनी का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय कैबिनेट के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण विद्यालय कैप्टन साई कृष्णा वमसी कक्षा बारहवीं (विज्ञान संकाय) के द्वारा कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना गीत से हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के कप्तान, उप कप्तान तथा चारों सदनों (अग्नि, वायु, पृथ्वी, आकाश) से विभिन्न प्रतिनिधियों को शपथ दिलाई गई। विद्यालय के प्राचार्य एस के श्रीवास्तव ने नवनिर्वाचित कैबिनेट को विद्यालय के अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं विद्यालय के गौरव बनाए रखने की प्रेरणा दी।उक्त कार्यक्रम में सभी शिक्षक गण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे, और नवनिर्वाचित कैबिनेट सदस्यों को बधाई दी।

दंतेवाड़ा जिले के बाढ़ पीड़ितों के कठिन समय में सहायक बना एनएमडीसी, वितरण किया जा रहा हैं राहत सामग्री

किरंदुल। दंतेवाड़ा जिले में हुई अत्याधिक बारिश और नदियों में उफान के कारण सामान्य जनजीवन बुरी तरह से अस्तव्यस्त हो गया, कई सड़कें और पुल बह गये और कई गांव जलमग्न हो गया। बाढ़ में फंसे लोगों के हालात काफी दयनीय हो गई है। एनएमडीसी किरंदुल कॉम्प्लेक्स के अधिशासी निदेशक रवीन्द्र नारायण के कुशल निर्देशन एवं उप महाप्रबंधक मानव संसाधन केएल नागवेणी के मार्गदर्शन से प्रबंधन ने मदद का हाथ बढ़ाते हुए अपने अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही कर बाढ़ पीडितों को तत्काल मदद करने निर्देशित किया। ऐसे कठिन समय में एनएमडीसी मानवीय संवेदनाओं को दिखाते हुए पीड़ितों को राहत पहुंचाने का कार्य लगातार दंतेवाड़ा जिले के विभिन्न शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कर रहा है। इसी कड़ी में एनएमडीसी ने 8000 से अधिक राहत पैकेट, जिसमें कंबल, चादर, पैंट, टी-शर्ट, साड़ी, आटा, दाल, तेल, चावल, साबुन व दैनिक जरूरत की अन्य सामग्रियां रखी गई हैं, जिसका वितरण एनएमडीसी जिला प्रशासन के माध्यम से किया।ज्ञात हो कि एनएमडीसी अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता को सदैव निभाते हुए हमेशा ऐसे जनहित कार्यों में पीड़ितों के लिए तत्पर रहती है।

एनएचएम कर्मियों ने खोजी मोदी की गारंटी भीख मांग कर जताया विरोध 13वें दिन भी हड़ताल जारी

पीपी किट पहन कर कोरोना योद्धाओं ने भीख मांगकर जताया विरोध

सुकमा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कर्मचारी नियमितीकरण, ग्रेड पे सहित अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर अलग-अलग गतिविधियों के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। कार्यक्रम में सभी एनएचएम हड़ताली कर्मचारी रैली निकल कर मोदी की गारंटी खोजो अभियान चलाया और पीपी कीट पहना कर कोरोना योद्धाओं के सड़क पर उतर कर भीख मांगा और भीख से मिले पैसा को सरकार का खजाने के डाला जाएगा। संघ ने स्वास्थ्य मंत्रीजी के इस बात का खंडन किया है कि उनकी 5 मांगे पूरी कर दी गई है। और बाकी मांगों के लिये केंद्र से अनुमति लेना पड़ेगा। जबकि 2012 में संयुक्त सचिव ने लिखित में ये दिया था कि एनएचएम कर्मचारियों का नियमितीकरण राज्य शासन के हाथ में है। और हमारी मांगे पूरी नही हुई है। उधर, कर्मचारियों के अनिश्चितकालीन आंदोलन में चले जाने से उप स्वास्थ्य केंद्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएँ पूरी तरह चरमरा गई है, जिससे आम जनता को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएँ समय पर नहीं मिल पा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि स्वास्थ्य सेवाएँ ठप होने के लिए वे नहीं, बल्कि शासन का अड़ियल रवैया जिम्मेदार है। कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष डॉ वेद प्रकाश साहू एवं प्रवक्ता डा मुकेश बक्शी सहित सभी कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि नियमितीकरण, ग्रेड पे और लंबित 27% वेतन वृद्धि सहित सभी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। एनएचएम संविदा कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि शासन जल्द ही उनकी मांगों पर लिखित निर्णय नहीं लेता, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। धरना प्रदर्शन में डॉ. प्रदीप पटेल नवीन पाठक राजेन्द्र पांडेय सरफराज नवाज रीना नायडू मंजीता लकड़ा मनीषा नेताम सहित बड़ी संख्या में कोंटा छिंदगढ़ सुकमा के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

दो लाख के इनामी सहित चार नक्सली गिरफ्तार, टिफिन बम बरामद

सुकमा। सुकमा जिला पुलिस और डीआरजी को नक्सल उन्मूलन अभियान के दौरान गोगुंडा इलाके में दो लाख के इनामी नक्सली समेत चार सक्रिय माओवादियों को गिरफ्तार लिया। गिरफ्तार नक्सली सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए, टिफिन बम और विस्फोटक सामग्री लेकर जंगल में घूम रहे थे। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक केरलापाल से डीआरजी और जिला बल की संयुक्त टीम नक्सल गश्त पर सामसटटी और आसपास के क्षेत्रों में रवाना हुई थी। इसी दौरान पगडंडी रास्ते के पास चार नक्सली विस्फोटक सामग्री के साथ पकड़े गए। मौके से दो टिफिन बम (करीब पांच-पांच किलो), चार्ज डेटोनेटर, दो मीटर कोर्डेक्स वायर, चार जिलेटिन रॉड, 15 मीटर इलेक्ट्रिक वायर और चार पेंसिल सेल बरामद किए गए। गिरफ्तार नक्सलियों की पहचान मुचाकी देवा (गोगुंडा पंचायत मिलिशिया कमांडर, इनामी दो लाख रुपये), मुचाकी गुडडी (डीएकेएमएस सदस्य), सोढ़ी हिड़मा (मिलिशिया सदस्य) और सोढ़ी देवा (मिलिशिया सदस्य) के रूप में हुई है। पूछताछ में नक्सलियों ने कबूल किया कि वे सुरक्षाबलों को नुकसान पहुँचाने के इरादे से टिफिन बम लगाने जा रहे थे। पुलिस ने उनके खिलाफ थाना केरलापाल में अपराध क्रमांक 22/2025 दर्ज किया है। मामला विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 4 और 5 के तहत पंजीबद्ध कर आगे की कार्रवाई की गई। सभी आरोपियों को विशेष न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पैदल चाल स्पर्धा, बुजुर्ग नागरिकों ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

जगदलपुर। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शुरू तीन दिवसीय खेल स्पर्धाओं की श्रृंखला में स्थानीय प्रियदर्शिनी स्टेडियम में वरिष्ठ नागरिकों का पैदल चाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में 400 मीटर पैदल चाल स्पर्धा पुरुष वर्ग में एचवाय कुकड़े ने प्रथम, दीपक नाथन ने द्वितीय तथा रामनाथ ईश्वर ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं महिला वर्ग में पदमिनी मौर्य ने प्रथम, कलावती मौर्य ने द्वितीय और मनीता राज ने तृतीय स्थान अर्जित किया। इसके पश्चात 8 से 17 वर्ष आयु समूह के बालक एवं बालिका वर्ग का कराते स्पर्धा सम्पन्न हुई, जिसमें 8 वर्ष, 10 वर्ष, 12 वर्ष, 14 वर्ष और 14 से अधिक आयु वर्ग के बालक एवं बालिकाओं ने कराते में अपनी प्रतिभा दिखाई।

वास्तु शास्त्र में दिशाओं का महत्व

वास्तु शास्त्र में दिशाओं को बेहद महत्वपूर्ण बताया गया है। वास्तु के अनुसार, 8 दिशाएं यानी 4 मुख्य दिशाएं पूर्व, पश्चिम, उत्तर व दक्षिण) के साथ चार कोणीय दिशा ईशान कोण(उत्तर-पूर्व),आग्नेय कोण(दक्षिण-पूर्व), नैऋत्य कोण(दक्षिण-पश्चिम),वायव्य कोण(उत्तर-पश्चिम) के आधार पर वास्तु की गणना की जाती है। वास्तु में हर दिशा का विशेष महत्व है। अलग-अलग दिशाओं का संबंध अलग ग्रहों से होता है। मनुष्य के जीवन में सुख-शांति के लिए दिशाओं को ठीक रखना आवश्यक माना गया है। आइए जानते हैं कि वास्तु में प्रत्येक दिशा का क्या महत्व है?

पूर्व दिशा:
पूर्व दिशा के स्वामी ग्रह भगवान सूर्य और देवराज इन्द्र माने गए हैं। यह दिशा अच्छे स्वास्थ्य, बुद्धि, धन, सुख-सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि गृह-निर्माण में घर के पूर्व दिशा का कुछ स्थान खुला छोड़ देना चाहिए। इस स्थान को नीचा रखना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा न होने पर घर के मुख्य सदस्य का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

पश्चिम दिशा :
पश्चिम दिशा के स्वामी ग्रह शनि व वरुणदेव हैं। इस दिशा को मान-सम्मान, सफलता, अच्छे भविष्य और संपन्नता का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इस दिशा में गड्ढा,दरार,नीचा या दोषपूर्ण रहने पर मानसित कनाव की स्थिति बन सकती है। कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

उत्तर दिशा :
उत्तर दिशा के स्वामी ग्रह बुध व कुबेर देवता हैं। यह दिशा जीवन में सभी प्रकार के सुख को प्रदान कराती है। इस दिशा को बुद्धि,ज्ञान,चिंतन,मनन विद्या,धन के लिए शुभ माना जाता है। उत्तर दिशा में खाली स्थान छोड़कर गृह निर्माण करने से सभी प्रकार की भौतिक सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

दक्षिण दिशा :
दक्षिण दिशा के स्वामी ग्रह मंगल और यम है। इस दिशा को सफलता, यश, पद-प्रतिष्ठा और धैर्य का प्रतीक माना गया है। पिता के सुख का कारक भी यह दिशा माना जाता है। दक्षिण दिशा को जितना भारी रखेंगे, उतना ही लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

आग्नेय कोण :
वास्तु में आग्नेय कोण के स्वामी ग्रह शुक्र और अग्नि देवता माने गए हैं। इस दिशा का संबंध स्वास्थ्य से होता है। यह दिशा निद्रा व उचित शयन सुख को दर्शाता है। आग्नेय कोण में अंडरग्राउंड टैंक का होना अच्छा नहीं माना जाता है। इससे स्वास्थ्य खराब रहता है।

नैऋत्य कोण :
इस दिशा के स्वामी राहु और नैऋति नामक राक्षसी है। यह दिशा असुर, बुरे कर्म करने वाले व्यक्ति या भूत पिशाच की दिशा है। इसलिए वास्तु में इस दिशा को कभी खाली न रखने की सलाह दी जाती है।

वायव्य कोण :
इस दिशा को चंद्रदेव और पवनदेव का वास स्थान माना गया है। यह मित्रता और शत्रुता की ओर संकेत देते हैं। इस दिशा को मानसिक विकास का दिशा माना जाता है। इस दिशा में किसी तरह का दोष होना शत्रुओं की संख्या में वृद्धि का संकेत माना जाता है।

ईशान कोण :
ईशान कोण के स्वामी ग्रह देवगुरु बृहस्पति माने जाते हैं। इस दिशा को बुद्धि,ज्ञान,विवेक,धैर्य और साहस का प्रतीक माना गया है। वास्तु के अनुसार, ईशान कोण की साफ-सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए। इस दिशा को खुला नीचा व निर्माण कार्य कम से कम करवाना चाहिए। इस दिशा के दोष रहित होने पर अध्यात्मिक,मानसिक व आर्थिक संपन्नता आती है। वास्तु के मुताबिक, इस दिशा में शौचालय,सेप्टिक टैंक या डस्टबिन बिल्कु नहीं रखना चाहिए।

इन योगासनों को बनाएं अपने डेली रुटीन का हिस्सा..

अगर आप एक ऑफिस गोइंग पर्सन हैं तब तो आप भी इस बात से सहमत होंगे कि दिन का आधे से ज्यादा हिस्सा ऑफिस या ऑफिस से जुड़े कामों में ही बीत जाता है। बहुत कम लोग ही ऐसे होते हैं जो इस बीच अपने लिए थोड़ा सा सेल्फ केयर टाइम निकाल पाते हैं। ऑफिस में घंटों लैपटॉप के सामने बैठकर काम करते रहने का इंपैक्ट हमारे शरीर पर भी साफ देखने को मिलता है। बैठे-बैठे वजन बढ़ जाना, मोटी तोंद निकल आना, कमर और कंधो में दर्द होना और भी बहुत कुछ। ऐसे में समय से पहले ही बुढ़ापा ना आ जाए इसलिए शरीर को कुछ फिजिकल एक्टिविटी की डोज देते रहना बेहद जरूरी है। आज हम आपको कुछ ऐसे योगासन बताने वाले हैं जिन्हें आप अपने काम के बीच से ही कुछ समय निकाल कर प्रैक्टिस कर सकते हैं। ये आपकी बॉडी को ओवरऑल हेल्दी रखने में काफी हेल्पफुल साबित होंगे।

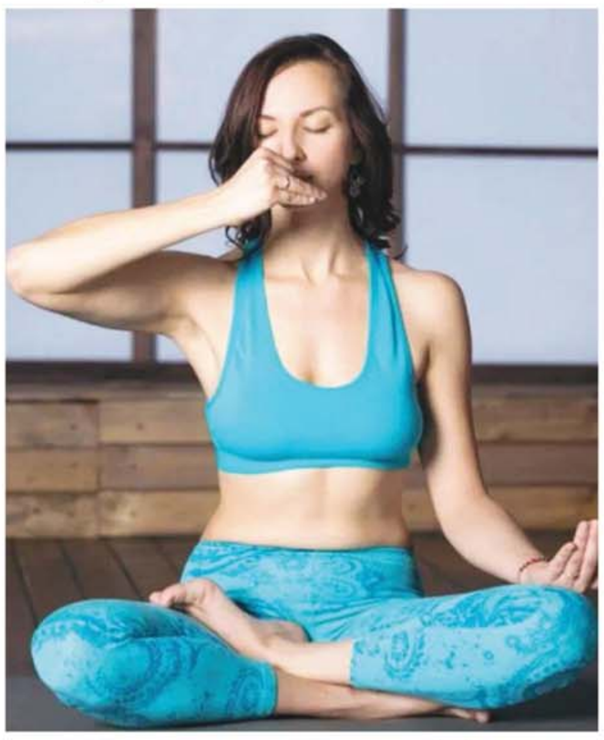

रोज थोड़ी देर करें वज्रासन

अपने बिजी शेड्यूल में से कुछ वक्त निकालकर आप वज्रासन ट्राई कर सकते हैं। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले घुटनों को मोड़कर, पैर के बल बैठ जाएं। इस तरह से बैठते हुए इस बात का ध्यान रखें कि आपके दोनों पैर के अंगूठों के बीच में थोड़ा सा गैप हो और आपकी कमर के ऊपर का हिस्सा बिल्कुल स्ट्रेट हो। अब अपने दोनों हाथों को अपनी जांघों पर रखें और शरीर का पूरा भार पैरों पर छोड़कर दिमाग को रिलैक्स करें। इस आसन को रेगुलर करने से पेट से जुड़ी प्रॉब्लम्स ठीक होती हैं, जिसकी वजह से बैठे-बैठे गैस और डाइजेस्टिव इश्यूज नहीं होते।

बहुत आसान और फायदेमंद है ताड़ासन

इस आसन को माउंटेन पोज के नाम से भी जाना जाता है। लगातार एक ही पोजीशन में बैठकर काम करने से रीढ़ की हड्डियां दर्द करने लगती हैं। ऐसे में रीढ़ की हड्डियों को मजबूती देने के लिए और बढ़े हुए पेट की चर्बी कम करने के लिए ताड़ासन बहुत ही फायदेमंद हो सकता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाएं। इसके बाद हाथों को ऊपर बिलकुल सीधा फैलाकर, दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में जोड़ें। अब अपने पैर की एड़ी को ऊपर उठाते हुए उंगलियों के बल पर खड़े हो जाएं। कुछ देर तक इसी पोजीशन में बने रहें और फिर रिलैक्स मोड में वापस आ जाएं।

पद्मासन से दूर होंगी ढेर सारी प्रॉब्लम्स

लगातार बैठकर काम करने का सबसे ज्यादा असर बॉडी पोस्चर पर पड़ता है। बॉडी पोस्चर में सुधार लाने के लिए और पीठ दर्द से छुटकारा पाने के लिए पद्मासन करना चाहिए। इस आसन को करने से एकाग्रता भी बढ़ती है और पेट भी दुरुस्त रहता है। इसे करने के लिए सबसे बैठ जाएं। अब अपने दाएं पैर को बाएं पैर की जांघ पर रखें और अपने बाएं पैर को दाएं पैर की जांघ पर रखें। अब अपने दोनों हाथों की तर्जनी उंगली को अंगूठे की बीच की रेखा पर रखकर हाथों को घुटने पर रखें। अब आंख बंद करके 5 से 10 मिनट के लिए बिल्कुल शांत बैठ जाएं।

दंडासन भी है बेहद फायदेमंद

हड्डियों और मांसपेशियों की मजबूती के लिए दंडासन करना बहुत ही फायदेमंद होता है। इस आसन को करने से रीढ़ की हड्डियों में भी खिंचाव आता है और साथ ही पाचन तंत्र मजबूत होता है। दंडासन करने के लिए सबसे पहले बैठकर, अपने दोनों पैरों को सामने की तरफ सीधा फैला लें। अब अपने दोनों हाथों को जमीन पर कूल्हे के बगल में रखें। इस आसन को करते समय अपनी पीठ, सिर और गर्दन को बिल्कुल सीधा रखें। इसके बाद अपने पैर की उंगलियों को अपनी तरफ खींचे। इस आसन को करने से आपके शरीर में खिंचाव आएगा। जिससे हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूती मिलेगी।

रोज सुबह करें ये काम

दिन भर कंट्रोल में रहेगा ब्लड प्रेशर

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और बिगड़ते खान-पान की वजह से ब्लड प्रेशर की बीमारी बहुत आम हो गई है। ब्लड प्रेशर हाई हो या लो, हेल्थ के लिए दोनों ही बहुत खतरनाक हैं। ऊपर से ये बीमारी अकेले भी तो नहीं आती, बल्कि अपने साथ ढेर सारी हेल्थ प्रॉब्लम्स एकदम फ्री लाती है। जब बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन सही से नहीं होता तो इसका असर हार्ट और किडनी पर भी पड़ता है। इसके साथ ही इससे मेंटल हेल्थ पर भी इसका असर हो सकता है। अगर आपको भी ब्लड प्रेशर की प्रॉब्लम है, तो आपको अपने रूटीन में कुछ बदलाव करने की जरूरत है। अगर आप कुछ बातों को अपने डेली मॉर्निंग रूटीन का हिस्सा बना लेते हैं, तो आपको काफी फायदा होगा।

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के लिए स्लीपिंग रूटीन को फॉलो करना बहुत जरूरी है। रात में देर से सोना और सुबह देर तक बिस्तर पर पड़े रहना, ब्लड प्रेशर को डिसबैलेंस करने के साथ-साथ कई अन्य हेल्थ प्रॉब्लम की भी वजह बन सकता है। इसलिए ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के लिए रात में जल्दी सोना चाहिए और सुबह जल्दी उठना चाहिए। बेहतर होगा कि आप डेली सुबह उठने का एक प्रॉपर टाइम भी फिक्स करें ताकि आपकी बॉडी क्लॉक उससे एडजस्ट हो जाए।

पानी से करें सुबह की शुरुआत
सुबह खाली पेट पानी पीने के कई फायदे हैं। इससे शरीर तो हाइड्रेटेड रहता ही है, साथ ही कई अन्य हेल्थ प्रॉब्लम्स भी दूर रहती हैं। ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के लिए, सुबह की शुरुआत पानी के साथ करनी चाहिए। सुबह खाली पेट पानी पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है, पाचन क्रिया सही होती है और शरीर दिन भर हाइड्रेटेड रहता है। कोशिश करें कि फर्श पर मलासन में बैठकर लगभग दो गिलास पानी घूंट-घूंट कर के पीएं। रात भर कॉपर के किसी जग या बॉटल में रखे कॉपर चार्ज वाटर पीने से हेल्थ को और और ज्यादा बेनिफिट्स मिलते हैं।

रूटीन में शामिल करें कोई फिजिकल एक्टिविटी
सिर्फ ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के लिए ही नहीं बल्कि शरीर को ओवरऑल फिट रखने के लिए भी अपने डेली रूटीन में किसी भी तरह की फिजिकल एक्टिविटी को जरूर शामिल करें। आप रोजाना सुबह कुछ देर के लिए एक्सरसाइज या योगासन कर सकते हैं।

खजूर को असली शहद में भिगोकर खाने के फायदे

खजूर नैचुरल शुगर से भरपूर होते हैं. इनका इस्तेमाल अक्सर लोग मीठी चीजों में करते हैं. हालांकि कुछ लोग इसे ऐसे भी ही खाते हैं, लेकिन अगर आप इन खजूरों को शहद में भिगोकर खाएंगे तो आपको इसके कई फायदे मिलेंगे. शहद हमारी सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है. यह एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीसेप्टिक गुणों से भी भरपूर होता है. साथ ही, खजूर फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, प्रोटीन, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है. ये दोनों ही हमें कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं, लेकिन अगर हम इन दोनों को एक साथ खाएंगे तो कई फायदे मिलेंगे. आइए जानते हैं खजूर को असली शहद में भिगोकर खाने के फायदों के बारे में.

खजूर में फाइबर की मात्रा भरपूर होती है . वजन घटाने से लेकर पाचन संबंधी समस्याओं को कम करने तक इसके कई फायदे हैं, लेकिन जिनका पाचन तंत्र कमजोर है उनके लिए यह कॉम्बिनेशन फायदेमंद है . खजूर को शहद में भिगोकर खाने से पाचन क्रिया बेहतर होती है . कई लोगों को कब्ज की समस्या होती है, लेकिन जिन लोगों को यह समस्या है उनके लिए खजूर को शहद में भिगोकर खाना फायदेमंद होता है .
दरअसल, फाइबर की कमी ही कब्ज का कारण बनती है . ऐसे में खजूर खाने से फाइबर की कमी दूर हो जाती है . साथ ही आपका मेटाबॉलिज्म भी बढ़ेगा . अगर आप खजूर को शहद में भिगोकर खाएंगे तो आपको कब्ज की समस्या से राहत मिलेगी .
कुछ लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कमजोर होती है . ऐसे लोग हमेशा किसी न किसी मेडिकल समस्या से पीड़ित रहते हैं . रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने पर खांसी, जुकाम और बुखार जैसी कई परेशानियां आती रहती हैं, लेकिन शहद और खजूर आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में बहुत मददगार होते हैं . इन दोनों में कई औषधीय गुण हैं . इनमें आयरन के साथ जिंक और विभिन्न विटामिन प्रचुर मात्रा में होते हैं . इनसे आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी . कुछ लोगों को चाहे कोई भी मौसम हो खांसी-जुकाम की समस्या हो जाती है, लेकिन ये समस्याएं इतनी जल्दी दूर नहीं होती है . ऐसे लोगों के लिए शहद और खजूर बहुत मददगार होता है . डॉक्टर बताते हैं कि अगर आप खजूर को शहद में भिगोकर खाएंगे तो सर्दी-खांसी जल्दी ठीक हो जाएगी . मौसम बदलने पर खजूर को शहद में भिगोकर जरूर खाएं .

जो लोग मसल्स बनाना चाहते हैं उनके लिए शहद और खजूर बहुत मददगार होते हैं . अगर आप रोजाना शहद में खजूर भिगोकर खाते हैं तो आपकी मांसपेशियां तेजी से मजबूत होंगी . शहद और खजूर में कैलोरी अधिक होती है . यह मांसपेशियों के निर्माण में मदद करता है .
शहद और खजूर दोनों ही हमारी त्वचा के लिए बहुत अच्छे होते हैं . शहद मॉइस्चराइजिंग गुणों से भी भरपूर होता है . यानी यह हमारी त्वचा को अंदर से मुलायम और खूबसूरत बनाता है . खजूर खाने से हमारी त्वचा स्वस्थ रहती है . शहद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है, लेकिन अगर आप खजूर को शहद में भिगोकर खाते हैं तो इससे शरीर में सूजन कम हो जाती है . आपके स्वास्थ्य में सुधार होगा .

चीनी से दांतों को बचाने के लिए अपनाएं आयुर्वेदिक उपाय

चीनी हमारे आहार का अभिन्न हिस्सा है, लेकिन बहुत अधिक मात्रा में चीनी का सेवन करने से हमारे मुंह के स्वास्थ्य पर बुरा असर होता है। ऐसे में इस बात को समझना ज़रूरी है कि चीनी किस तरह से हमारे दांतों को नुकसान पहुंचाती है। इसलिए अपने खान-पान के बारे में हमेशा सोच-समझ कर फैसला लेना चाहिए। अक्सर हम दांतों पर चीनी के प्रभाव को अनदेखी कर देते हैं। बहुत से लोग इस बात से अनजान हैं कि चीनी दांतों की सड़न और ओरल हेल्थ की अन्य समस्याओं का मुख्य कारण है।

जब हम चीनी युक्त खाद्य या पेय पदार्थों का सेवन करते हैं तो हमारे मुंह में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। इससे उत्पन्न होने वाला एसिड दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचाता है। इस तरह बार-बार एसिड अटैक से दांत सड़ने लगते हैं और दांतों में कैविटी होने लगती है। कई बार मीठे चिपचिपे पदार्थ दांतों पर चिपक जाती है, इस तरह बार-बार मीठे पदार्थों के सेवन से दांतों पर एसिड अटैक की संभावना बढ़ती है और दांत खराब होने लगते हैं। चिपचिपे और चीनी से युक्त खाद्य पदार्थ दांतों पर चिपक कर दांतों की सड़न का कारण बन जाते हैं। डाबर रैड पेस्ट प्राकृतिक तरीके से दांतों को सुरक्षित करता है। इसके आयुर्वेदिक फॉर्मूले में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इन्फ्लामेटरी गुणों वाले प्राकृतिक इन्ग्रीडिएन्ट जैसे लौंग, अदरक और नीम शामिल हैं। ये इन्ग्रीडिएन्ट्स दांतों में सड़न पैदा करने वाले बैक्टीरिया को दूर कर ओरल हेल्थ को बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा आईडीए सील ऑफ एक्सेप्टेन्स डाबर रैड पेस्ट को और भी भरोसेमंद बनाती है। ये सभी इन्ग्रीडिएन्ट्स दांतों पर चीनी के प्रभाव को दूर करने में कारगर हैं। अपने दांतों को चीनी से सुरक्षित रखने के लिए अपने आहार में बदलाव लाएं और ओरल हाइजीन का खास ख्याल रखें। चीनी का सेवन सीमित मात्रा में करें, बार-बार मीठे खाद्य पदार्थ न खाएं। इन के बजाए सेहतमंद स्नैक्स जैसे फल, सब्ज़ियां, मेवे चुनें। मीठे खाद्य पदार्थों का सेवन करने के बाद ब्रश करें, इससे दांतों में जमी मिठी परथ और प्लॉक निकल जाएंगे। इसके अलावा चीनी और एसिड से दांतों को सुरक्षित रखने के लिए पानी से कुल्ला करें। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि आपको कितनी मात्रा में मीठे खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। चीनी के सेवन से दांतों को नुकसान पहुंचाता है, लेकिन डाबर रैड पेस्ट जैसा भरोसेमंद टूथ पेस्ट इस्तेमाल कर आप दांतों को चीनी के हानिकारक प्रभाव से सुरक्षित रख सकते हैं। इसमें मौजूद प्राकृतिक इन्ग्रीडिएन्ट्स बैक्टीरिया और एसिड से लड़ने में कारगर हैं और आपके दांतों को मजबूत बनाते हैं। डाबर रैड पेस्ट से ब्रश करें और कैविटी की चिंता किए बिना अपनी मनपसंद मिठाइयों और स्नैक्स का लुत्फ़ उठाएं।

परोपकार और रक्तदान

प्रहलादराय डालमिया लायंस कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना व लायंस क्लब ऑफ मालाड बोरिवली के अध्यक्ष लायन अमित गुप्ता के मार्गदर्शन में लायंस रीजन -3 द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस मेघा रक्त संग्रह अभियान में लायंस 3231 ए -3 के प्रथम उपजिलाध्यक्ष लायन नटवर बंका, द्वितीय उपजिलाध्यक्ष लायन विकास क. सराफ, लायन तसनीम हरियानवाला, लायन राजेश जैन, लायन मनमोहन मेहता, प्राचार्य प्रो. डॉ. डी. एन. गंजेवार, लायन पुरुषोत्तम सोमानी, लायन मुकेश सेठीया, लायन रूपल निर्माण सराफ की गरिमामय उपस्थिति में 19 लायंस क्लब के सदस्यों ने हिस्सा लिया। लायन कन्हैयालाल घ. सराफ व लायन कमल रुइया ने कार्यक्रम के आयोजन पर प्रकाश डाला ।

बिना हेलमेट आए लोगों को नहीं मिला पेट्रोल

पेट्रोल लेने पंप कर्मियों से लगाते रहे गुहार

दुर्ग सहित पूरे प्रदेश में बिना हेलमेट के नहीं मिलेगा पेट्रोल

पेट्रोल लेने हेलमेट का जुगाड़ करते दिखे दोपहिया चालक

भिलाई। 1 सितंबर 2025 से पूरे प्रदेश में दोपहिया सवारों को बिना हेलमेट के किसी भी पेट्रोल पंप में पेट्रोल देना पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। हेलमेट की अनिवार्यता और पूरे प्रदेश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को लेकर इस नियम को कठोरता से लागू किया गया है। पहले दिन इसका खासा असर देखने को मिला भिलाई दुर्ग के सभी पेट्रोल पंप में बिना हेलमेट के आए दो पहिया सवारों को निराश होकर लौटना पड़ा ऐसे दोपहिया सवार हेलमेट पहने पेट्रोल पंप में आए लोगों से हेलमट की मांग करते रहे। वही दोपहिया सवार पेट्रोल पंप कर्मचारियों से भी पेट्रोल देने की गुहार लगाते रहे और आइंदा से हेलमेट लगाकर आने की बातें भी पेट्रोल पंप कर्मचारियों से कहते रहे बावजूद इसके बिना हेलमेट के आए किसी भी दो पहिया सवार को पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने पेट्रोल नहीं दिया। इससे ऐसे दो पहिया सवार चालक परेशान होते रहे जिनके द्वारा प्रशासन के नियमों को हल्के में लिया गया था। पेट्रोल पंप के कर्मचारियों पर भी प्रशासन की पैनी निगाह थी कि ईनके द्वारा अपने लाभ के लिए बिना हेलमेट लगाए आए किसी भी दो पहिया सवार को पेट्रोल तो नहीं दिया जाता। बहरहाल सभी पेट्रोल पंप में बोर्ड लगा दिए गए हैं कि बिना हेलमेट के पेट्रोल नहीं दिया जाएगा इसका सख्ती से पालन भी किया जा रहा है। किसी भी तरह की जोड़ तोड़ पेट्रोल पंपों में नहीं देखने को मिल रही है। देखना होगा कि हेलमेट की अनिवार्यता का यह नियम कब तक लागू रहता है। हेलमेट नहीं पहनने की मानसिकता बनाए लोग इसका तोड़ निकालने की कोशिश में भी लग चुके होंगे।

भतीजी को छेड़ने से रोकना चाचा को पड़ा महंगा

आरोपी ने चाचा पर कटर से किया ताबड़तोड़ हमला

प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया

गणेश पंडाल में प्रसाद बांट रहे थे घायल चाचा

भिलाई। गणेश पंडाल में प्रसाद बांट रहे चाचा के सामने ही उसकी भतीजी को छेड़ने वाले युवक को मना करना चाचा को इतना भारी पड़ा कि गुस्साए युवक ने उस पर कटर से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले के बाद आरोपी वहां से भाग खड़ा हुआ चाचा का बुरा हाल देख भतीजी ने आसपास के लोगो को बुलाया और सभी ने मिलकर गंभीर रूप से घायल को सुपेला अस्पताल पहुंचाया। यह पूरा मामला सुपेला थाना क्षेत्र के संजय नगर के कुम्हारपारा का है। इधर घटना के बाद घायल सोमराज कुर्रे के चेहरे और बदन पर पड़े कटर के वार को देख सुपेला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद इसे जिला अस्पताल रेफ्र किया गया है। फ्लिहाल पुलिस मोहल्ले के सीसीटीवी खंगाल रही है ताकि आरोपी तक पहुंचा जा सके। हालांकि घायल सोमराज कुर्रे ने आरोपी की पहचान की है और बताया है कि कटर मारने वाला युवक मोहल्ले का ही रहने वाला है।

उर्वरक विक्रय प्रतिष्ठानों का सतत औचक निरीक्षण

दुर्ग। जिले के कृषकों के मांग अनुरूप खरीफ2025 में पर्याप्त मात्रा में उच्च गुणवत्तायुक्त आदान सामग्री यथा- उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिये कृषि विभाग द्वारा सघन अभियान चलाते हुए जिले के निजी एवं सहकारी प्रतिष्ठानों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में उर्वरकों की सतत आपूर्ति हेतु जिले के विक्रय प्रतिष्ठानों का 29 अगस्त 2025 को उर्वरक निरीक्षकों द्वारा विकासखण्ड-दुर्ग के 03 विक्रय प्रतिष्ठानों विकासखण्ड-पाटन के 04 विक्रय प्रतिष्ठानों तथा धमधा के 03 विक्रय प्रतिष्ठानों कुल 10 विक्रय प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। उप संचालक कृषि के अनुसार निरीक्षण के दौरान आज प्रतिष्ठान के अनुज्ञप्ति पत्र, समस्त दस्तावेज-स्कंध पंजी, बिल बुक, प्रतिष्ठान में विक्रय हेतु उपलब्ध उर्वरकों का पीओएस मशीन से मिलान कर अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के तहत पीओएस स्कंध एवं भौतिक स्कंध में अंतर, बगैर स्त्रोत प्रमाण पत्र के उर्वरक विक्रय, प्रतिष्ठान में मूल्य सूची प्रदर्शित न होना, बिल बुक निर्धारित प्रारूप में न होना, रजिस्टर संधारण अधुरा होना इत्यादि कारणों से विकासखण्ड-दुर्ग के मेसर्स रूद्र कृषि सेवा केंद्र नगपुरा में 13.35 मि.टन, मेसर्स मधुबन ट्रेडर्स नगपुरा एवं विकासखण्ड-धमधा के मेसर्स देवांगन कृषि केन्द्र जंजगिरी में 02.52 मि.टन, मेसर्स विद्या कृषि केन्द्र बोरी में 41.35 मि.टन उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के खण्डों के उल्लंघन पाए जाने पर कुल 04 विक्रय प्रतिष्ठानों में जब्ती की कार्यवाही की गई उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के खण्डों के उल्लंघन पाए जाने पर कारण बताओं नोटिस जारी कर समाधानकारक जवाब 03 दिवस के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिया गया। कृषकों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने हेतु कृषि विभाग के अधीनस्थ मैदानी निरीक्षकों को कृषि आदान विक्रय प्रतिष्ठानों का सतत निरीक्षण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

श्रीराम सिंधी पंचायत ने लगाया आधार, आयुष्मान कार्ड शिविर

लोगों की मांग पर पंचायत ने की पहल

दो दिवसीय शिविर में पहले दिन बड़ी संख्या में आए लोग

चिप्स के सहयोग से लगाया गया शिविर

भिलाई। क्षेत्रवासियों की मांग को पूरा करते हुए श्री राम सिंधी पंचायत वैशाली नगर ने दो दिवसीय आयुष्मान कार्ड और आधार कार्ड शिविर का आयोजन वैशालीनगर में किया है। जिन लोगों द्वारा अपने आधार कार्ड नहीं बनाए गए हैं ऐसे लोगों के आधार कार्ड शिविर के माध्यम से बनाए जा रहे हैं साथ ही आयुष्मान कार्ड बनाने को लेकर भी यहां प्रक्रिया प्रारंभ है शिविर के आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों द्वारा पंचायत के पदाधिकारीयों से पिछले कुछ दिनों से मांग की जा रही थी इसी के फ्लस्वरुप श्रीराम सिंधी पंचायत के अध्यक्ष दिलीप पवनी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर से मुलाकात की और शिविर के आयोजन को लेकर सहमति प्राप्त की श्रीराम सिंधी पंचायत और चिप्स के द्वारा संयुक्त रूप से आधार और आयुष्मान कार्ड शिविर आयोजित किया जा रहा हैं। शिविर में वैशालीनगर के अलावा अन्य क्षेत्रों से आए लोग भी जिनके द्वारा आधार कार्ड नहीं बनाए गए हैं बनवाया जा रहा है। किन्ही कारणों से जिन लोगों द्वारा आयुष्मान कार्ड नहीं बनाए जा सके हैं इनके आयुष्मान कार्ड बनाने को लेकर भी यहां कर्मचारी तैनात हैं आधार और आयुष्मान कार्ड में सुधार का कार्य भी जारी है। शिविर के आयोजन को लेकर श्रीराम सिंधी पंचायत के भीमसेन सेतपाल, प्रकाश डिंगा,मुकेश गणेशानि, अशोक गंगवानी, गोपी राजपलानी महिला समिति प्रभारी भावना गणेशानी का योगदान अहम हैं। शिविर की जानकारी श्रीराम सिंधी पंचायत के मीडिया प्रभारी और छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश मंत्री मनोहर कृष्णानी ने दी।

शहर में पेयजल संकट निदान के लिए 6 करोड़ 50 से अधिक की राशि हुई स्वीकृत

बड़ी सौगात के लिए महापौर अलका बाघमार ने राज्य शासन के प्रति जताया आभार

दुर्ग। नगर पालिक निगम/राज्य की विष्णुदेव साय सरकार द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही पेयजल संकट दूर करने नगर निगम द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को कम समय में स्वीकृति प्रदान करते हुए आज प्रथम चरण में मिलियन प्लस सिटी योजना अंतर्गत 15वे वित्त आयोग से लगभग 6करोड़ 50,53 लाख की राशि की मंजूरी दी है। इस बड़ी उपलब्धि के लिए नगर निगम की महापौर अल्का बाघमार ने राज्य के मुख्यमंत्री मंत्री विष्णुदेव साय, नगरीय निकाय मंत्री अरुण साय तथा कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि यह शहरवासियो के लिए बड़ी सौगात है। महापौर अल्का बाघमार के लगातार प्रयास रहा है, महापौर परिषद द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को राज्य शासन ने बहुत जल्दी स्वीकृति प्रदान की है जिसे हमे निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य के साथ पूरा करना है ताकि विभिन्न वार्डो में आए दिन होने वाली जलसंकट से लोगो निजात दिला सके। शासन से मिली स्वीकृति राशि के तहत ये कार्य होंगे। इसके तहत 24 एमएलडी फिल्टर प्लांट व शिवनाथ नदी इंटकवेल में प्रथम चरण में 120 एचपी के उच्च क्षमता वाला 3 मोटर पम्प लगाए जाएंगे जिसमे शासन ने शिवनाथ नदी इंटकवेल में 2 मोटर पम्प के लिए 1 करोड़ 94.65 लाख,फिल्टर प्लांट में एक पंप के लिए 97.33 लाख की राशि स्वीकृति की है यह सभी स्काडा सिस्टम से स्वचलित होगा इससे 30 वर्ष से अधिक पुराने मोटर पम्प होने के कारण कई वार्डो में समय पर पानी नही भर पाने के चलते आए दिन लो प्रेशर की समस्या से काफी हद तक निजात मिलेंगी। वही गया नगर,मठ पारा राजीव नगर वार्डो में लंबे समय से जलसंकट की स्थाई समाधान के लिए शासन ने 1 करोड़ 99 लाख राशि से गया नगर वार्ड 4 में 15 लाख किलोमीटर क्षमता की पानी टंकी निर्माण की स्वीकृति प्रदान की है साथ ही, इस टंकी तक पानी पहुंचाने राइजिंग लाइन बिछाने 1 करोड़ 21 लाख, टंकी भरने आधुनिक सिस्टम स्काडा के तहत 18 लाख की राशि,टंकी भरने हेतु मंजूरी प्रदान की है। नई पानी टंकी निर्माण की स्वीकृति मिलने से गया नगर वार्ड 4 ही नही मठ पारा वार्ड 3 राजीव नगर वार्ड व वार्ड 57 राम नगर के रहवासियों पानी की किल्लत से छुटकारा मिलेगा।

ई-कोर्ट फाइलिंग पर दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

दुर्ग। न्यायिक प्रक्रिया को डिजिटल और अधिक सुगम बनाने की दिशा में दुर्ग जिला न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की स्टेट ज्यूडिशल अकेडमी के तत्वाधान एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय दुर्ग में अधिवक्ताओं हेतु ई-कोर्ट प्रोग्राम व कंप्यूटर स्किल एन्हांसमेंट प्रोग्राम (लेवल 1 एवं 2) विषय पर 29 एवं 30 सितंबर को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन जिला न्यायालय दुर्ग के नवीन सभागार में आयोजित किया गया। जिसमें जिला मुख्यालय दुर्ग, तहसील न्यायालय धमधा, भिलाई -3 एवं पाटन के नामित अधिवक्ताओं ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिवक्ताओं को न्यायालयीन कार्यप्रणाली में तकनीकी साधनों का बेहतर उपयोग सिखाना, ई-कोर्ट मैनेजमेंट, डिजिटल फाइलिंग एवं ऑनलाइन न्यायिक सेवाओं से जोड़ना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ न्यायालय प्रबंधक ने अधिवक्ताओं को ई-फाइलिंग की प्रक्रिया और उसके लाभों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने समझाया कि किस प्रकार अधिवक्ता तकनीक का उपयोग कर अपने कार्य को और तेज, पारदर्शी एवं प्रभावी बना सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले समय में ई-फाइलिंग और डिजिटल कार्यप्रणाली न्याय व्यवस्था की रीढ़ साबित होगी। इसके जरिए समय और श्रम की बचत के साथ-साथ मामलों का शीघ्र निपटारा भी संभव होगा। इसके अतिरिक्त प्रकरणों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किस प्रकार उपस्थिति दर्ज की जा सकती है।

धारदार चाकू लहराकर आमजन को डराने वाले आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। गणेश उत्सव के दौरान आमजन को भयभीत करने के लिए धारदार चाकू दिखाने वाले तीन आरोपियों को सुपेला पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से धारदार चाकू भी जब्त किए हैं। थाना सुपेला क्षेत्र के दो अलग-अलग स्थानों पर तीन प्रकरण दर्ज किए गए। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को घेराबंदी कर पकड़ा। गिरफ्तार आरोपी -माधो लाल बाटी, निवासी चन्द्रा मौर्या टाकिज के पास डेरा बस्ती। (अपराध क्रमांक 1022/2025, धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट) रूपलाल बाटी, निवासी चन्द्रा मौर्या टाकिज के पास झोपड़ी। (अपराध क्रमांक 1023/ 2025, धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट) बाल्या भाटी, निवासी चन्द्रा मौर्या टाकिज के पास झोपड़पट्टी। (अपराध क्रमांक 1024/2025, धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट) पुलिस ने बताया कि आरोपी गणेश उत्सव के दौरान चाकू लहराकर लोगों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे थे। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपियों को पकड़ लिया और उनके कब्जे से धारदार चाकू जब्त किए गए। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सुपेला विजय यादव, उपनिरीक्षक पूरण लाल पनिका, राजेश तिवारी, प्रआर प्रहलाद सिंह सिरमौर, रामनारायण यदु, आरक्षक सूर्य प्रताप सिंह और दुर्गेश सिंह राजपूत का विशेष योगदान रहा।

कुलपति, छ.ग. स्वामी तकनीकी विश्वविद्यालय के मुख्य आतिथ्य में परिचयात्मक कार्यक्रम का शुभारंभ

दुर्ग। उदय प्रसाद उदय शासकीय पॉलीटेक्निक, दुर्ग में नव प्रवेशित छात्र/छात्राओं के लिए 03 सप्ताह का परिचयात्मक कार्यक्रम औपचारिक रूप से माननीय कुलपति, छ.ग. स्वामी तकनीकी विश्वविद्यालय डॉ. अरूण अरोरा की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने छात्र/छात्राओं को प्रेरणादायक आशीर्वचन प्रदान किये। कुलपति ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रथम सेमेस्टर में एनईपी सिलेबस में ऐसे विषयों को सम्मिलित किया गया है जिससे विद्यार्थी भारत की संस्कृति को जान सके। साथ ही मुख्य अतिथि ने छात्र/छात्राओं को अंतरविषयी उद्देश्य को लेकर आगे बढ़ने की सलाह दी, साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भविष्य में एआई का समय रहेगा, जिसके फलस्वरूप हमें अपने आप को सक्षम करना है। इसमें एक पहल यह रहेगी की उद्योग जगत से लोगों को बुलाकर सेमीनार करवाया जाये तथा इसमें तीन समस्याएं छात्रों के लिए छोड़ने के लिए कहा जाये, तत्पश्चात् छात्र उन समस्याओं का समाधान खोजें। साथ ही फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया जाये ताकि शिक्षकों को भी नवीनतम तकनीकों और उद्योग की जरूरतों के बारे में जानकारी मिल सकें। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य प्रकाश कुमार पाण्डेय द्वारा अपने स्वागत उद्बोधन में छात्र/छात्राओं से ही अपने लक्ष्य को निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने भविष्य के लिए तीन रास्ते सुझाए- उच्च शिक्षा, रोजगार और खुद का व्यवसाय। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तीसरा मार्ग कठिन जरूर है पर इससे आप और भी लोगों को रोजगार प्रदान कर पायेंगे। इस अवसर पर प्रथम सेमेस्टर के प्रभारी डॉ. रचना सिंह द्वारा संस्था की विस्तृत जानकारी एक पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रदान की गयी। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन प्रथम सेमेस्टर के इंडक्शन प्रोग्राम के आयोजन समिति के सदस्य डॉ. राखी जंघेल, व्याख्याता- अंग्रेजी, वर्षा वर्मा, व्याख्याता- रसायन डॉ. अर्चना साहू व्याख्याता- रसायन एवं कु. टिकेश्वरी साहू व्याख्याता- मेकेनिकल द्वारा किया गया। साथ ही एनएसएस प्रभारी प्रदीप राजपूत, व्याख्याता-इलेक्ट्रानिक्स, एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट मनोज चंद्राकर एवं एनएसएस और एनसीसी कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा। अंत में धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती सीमा दिल्लीवार, व्याख्याता-अंग्रेजी द्वारा किया गया।

चोरी के दो आरोपी चंद घंटों में गिरफ्तार, नेहरू सांस्कृतिक भवन सेक्टर-01 से चोरी, 30 हजार का सामान बरामद

भिलाई। थाना भिलाई भट्ठी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नेहरू सांस्कृतिक भवन सेक्टर-01 में हुई चोरी की घटना का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मात्र कुछ ही घंटों में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किया गया सामान और घटना में प्रयुक्त वाहन एक्टिवा जब्त कर लिया है। आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

मामला ऐसे हुआ उजागर-प्रार्थी अरुण कुमार मिश्रा ने थाना भिलाई भट्ठी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह दृष्टिकोण नाट्य संस्था से जुड़े हुए हैं। दिनांक 27 अगस्त को संस्था का गेट रात 8 बजे बंद कर दिया गया था। अगले दिन सुबह डायरेक्टर कौशल कुमार उपाध्याय से जानकारी मिली कि संस्था में चोरी हो गई है। मौके पर जाकर देखा तो कक्ष का ताला टूटा हुआ था, सामान बिखरा पड़ा था और आलमारी व पेटियां खुली हुई थीं। जांच करने पर पता चला कि संस्था से एक नृत्यकलानुमा पीतल की मूर्ति, छोटे-बड़े पीतल के कप तथा लोहे के अन्य सामान चोरी हो गए हैं।

पुलिस की तत्परता से पकड़े गए आरोपी-प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना भिलाई भट्ठी में अपराध बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान मिली मुखबिर सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर संदिग्धों को पकड़ा। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम अनमोल कुजुर एवं अमित कुमार निषाद निवासी खुर्सीपार, जोन-02 बताया। आरोपियों ने घटना की रात नेहरू सांस्कृतिक भवन से सामान चोरी करने की बात स्वीकार की। बरामदगी-आरोपियों के कब्जे से एक नृत्यकलानुमा पीतल की मूर्ति, छोटे-बड़े पीतल के कप तथा लोहे के अन्य सामान जिसकी कीमत करीब 30,000 रुपये आंकी गई है, बरामद किया गया। साथ ही घटना में प्रयुक्त एक्टिवा वाहन भी जप्त किया गया।

पुलिस टीम की भूमिका-इस कार्रवाई में थाना भिलाई भट्ठी के सहायक उप निरीक्षक पुनीत राम वर्मा, आरक्षक आशीष सिंह, संजीव ओझा तथा एसीसीयू टीम दुर्ग की विशेष भूमिका रही।

भिलाई के इस होटल में चलता था देह व्यापार

पुलिस ने छापामार कर युवतियों और ग्राहकों को दबोचा

शहर में नहीं थम रहा देह व्यापार का सिलसिला

पुलिस ने प्वाइंटर बनाकर भेजा था होटल में

भिलाई। ओयो के बाद अब शहर के कुछ बड़े होटलों में भी देह व्यापार का धंधा शुरू हो चुका है यहां देह व्यापार में संलग्न युवतियों के अलावा प्रेमी जोड़े भी अय्याशी करने पहुंचते हैं। ऐसे ही एक मामले में वैशाली नगर स्थित एक होटल में पुलिस ने छापामार कार्रवाई की है। पुलिस ने ईसा होटल में छापा मारकर देह व्यापार का भंडाफोड़ किया है। जिसमें कुछ कपल सहित ग्राहको के साथ युवातियो को पुलिस में धर दबोचा है होटल में देह व्यापार होने की सूचना पुलिस को मिली थी इसके बाद पुलिस होटल मैनेजर मलिक सहित ग्राहको को लेकर वैशाली नगर थाने लेकर आ गई जहां उनसे पूछताछ की जा रही है युवतियों के परिजनों को भी बुलवाया गया है। पुलिस को लगातार वैशाली नगर इलाके में देह व्यापार होने की शिकायत मिल रही थी इसके बाद दुर्ग पुलिस ने तमाम होटल और लॉज पर निगरानी रखते हुए विशेष टीम बनाई थी इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि वैशाली नगर के अंतर्गत एक होटल ईसा में कुछ युवतियां ग्राहक और कुछ लोग रुके हुए हैं जिसके बाद पुलिस ने फौरन छापे मार कार्यवाही की और सभी को वैशाली नगर थाने लाकर पूछताछ करते हुए सभी के तमाम दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं तो वही उनके परिजनों से भी संपर्क किया जा रहा है।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर मारा चाकू

पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में हुई कैद

चाकूबाजों में खत्म हुआ कानून का खौफ

स्कूटी सवार आरोपियों की तलाश कर रही पुलिस

भिलाई। दुर्ग में लगातार बढ़ते अपराध के बीच चाकुबाजो के हौसले बुलन्द है एक बार फ्रि चाकूबाजी की घटना सामने आई है जिसका सीसीटीवी फुटेज भी जमकर वायरल हो रहा है जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि दुर्ग में बदमाशो और चाकुबाजो में कानून का ख़ौफ़ खत्म हो चुका है। छावनी थाना क्षेत्र के 18 नंबर रोड पर चाकूबाजी की एक घटना सामने आई है जिसमे सुबह एक बुजुर्ग व्यक्ति सूरज सिंह अपने घर से साइकिल पर निकले थे इसी दौरान स्कूटी पर सवार दो अज्ञात युवक वहां पहुंचे और शराब पीने के लिए उनसे पैसे की मांग करने लगे जब बुजुर्ग सूरज सिंह ने पैसे देने से इनकार कर दिया तो युवकों ने उनके ऊपर धारदार चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है जिसमें साफ देखा जा सकता है कि किस तरह अपराधी चाकूबाजी की घटना को अंजाम दे रहे है फ्लिहाल सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। बुजुर्ग सूरज सिंग रोज की तरह अपनी सायकिल से घूमने निकले थे तभी वे भिलाई के 18 नंबर रोड पर पहुचे ही थे कि दो स्कूटी सवार युवकों ने पहले तो सूरज सिंह को रोका फ्रि उनसे गाली गलौच करने लगे और फ्रि शराब के लिए पैसे मांगे, मना करने पर युवको ने बुजुर्ग सूरज सिंह पर चाकू से हमला कर दिया किसी तरह बदमाशो के चंगुल से भागकर सूरज सिंह जान बचाकर अपने घर पहुंचे और परिवार की मदद से पुलिस को सूचना दी।

दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अवैध शराब बिक्री करते आरोपी को दबोचा, 38 पौव्वा शराब जब्त

दुर्ग। ग्राम घोरारी थाना रानीतराई क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री की सूचना पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। रानीतराई पुलिस टीम ने ग्राम घोरारी बस्ती मोड़ के पास दबिश दी। इस दौरान आरोपी लोकेश कुमार बंजारे, निवासी ग्राम घोरारी, को बिक्री हेतु अवैध रूप से रखे गए 38 पौव्वा देशी प्लेन शराब (कीमती 3,040 रुपये) के साथ पकड़ा गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई की गई। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। दुर्ग पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब की बिक्री व तस्करी पर लगातार कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com